तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 101 | कोरबा, शनिवार , दिनांक 10 जनवरी 2026 डाक 11 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

गवर्नर के फैसले पर प्रियंक खरगे ने कहा- स्पष्टीकरण देंगे

वीबी जी-राम-जी बिल को बताया असंवैधानिक

बंगलूरू, 10 जनवरी [एजेंसी]।

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने राज्यपाल द्वारा लौटाए गए विधेयकों, भाषा नीति और केंद्र सरकार के प्रस्तावित वीबी जी-राम-जी बिल को लेकर तीखा रुख अपनाया है। बिदर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने साफ कहा कि राज्य सरकार राज्यपाल द्वारा उठाए गए सवालों पर सभी जरूरी स्पष्टीकरण देगी। प्रियंक खरगे ने कहा कि अगर राज्यपाल ने विधेयक केवल भाजपा के दबाव में लौटाए हैं, तो सरकार आगे की रणनीति पर विचार करेगी। उन्होंने कहा अगर गवर्नर को विधानसभा से पारित बिलों पर किसी तरह की स्पष्टता चाहिए, तो हम हर बिंदु पर जवाब देने को तैयार हैं। कासरगोड को लेकर भाषा विवाद पर प्रियंक खरगे ने कहा कि राज्यों का गठन भाषा के आधार पर किया गया था। उन्होंने कहा कासरगोड में 90 प्रतिशत से अधिक लोग कन्नड़ बोलते हैं। भाषा को बढ़ावा देना गलत नहीं है, लेकिन उसे थोपना भी सही नहीं है। वीबी जी-राम-जी बिल को लेकर आयोजित कर्नाटक के विशेष सत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंक खरगे ने इस विधेयक को संविधान के अनुच्छेद 21 के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यह बिल लोगों से काम करने और आजीविका का अधिकार छीन रहा है। खरगे ने आरोप लगाया कि यह विधेयक न सिर्फ मनरेगा जैसी योजनाओं को कमजोर करता है, बल्कि संघीय ढांचे को भी नुकसान पहुंचाता है, जहां राज्यों और पंचायतों से परामर्श जरूरी होता है।

देश ऑटोपायलट पर भी चला, तो बन जाएगा विकसित भारत, एनएसए अजीत डोभाल का बड़ा बयान

नईदिल्ली 10 जनवरी [एजेंसी]।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शनिवार को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (वीबीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अजीत डोभाल ने युवाओं से संवाद किया। डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा। एनएसए डोभाल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा, मेरा कार्यक्षेत्र अलग है, मेरा अनुभव अलग है, और युवाओं के साथ उम्र का बहुत बड़ा अंतर है। आपमें से अधिकांश मुझसे 60 वर्ष से अधिक छोटे हैं, इसलिए मैं थोड़ा असमंजस में था कि आऊं या नहीं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता-पूर्व भारत में हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है। अजीत डोभाल ने कहा, आज इतना कुछ बदल गया है कि मुझे सब कुछ पता नहीं है। लेकिन एक बात समान है, चाहे आप इसे महसूस करें या न करें - एक छोटी सी बात जो आपके जीवन की दिशा तय करती है। निर्णय लेने की क्षमता। आप सभी हर दिन छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे। भारत विकसित होगा, यह निश्चित है।

संविधान और जम्मू-कश्मीर से जुड़े तीन अहम विधेयकों पर जनता से मांगे गए सुझाव

नई दिल्ली । लोकसभा सचिवालय ने संविधान और जम्मू-कश्मीर से जुड़े तीन अहम विधेयकों पर विचार के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया है। यह समिति संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 पर विस्तार से चर्चा करेगी। इस जॉइंट कमेटी की अध्यक्षता सांसद अपराजिता सारंगी कर रही हैं। समिति का मानना है कि इन विधेयकों का असर आम लोगों पर पड़ेगा, इसलिए सिर्फ संसद के भीतर ही नहीं, बल्कि बाहर से भी राय ली जानी चाहिए। इसी सोच के तहत कमेटी ने आम जनता के साथ-साथ विशेष रूप से गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), विशेषज्ञों, विभिन्न क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स और संबंधित संस्थानों से लिखित सुझाव और विचार आमंत्रित करने का फैसला किया है। जो लोग इन विधेयकों पर अपनी राय, सुझाव या आपत्तियां कमेटी तक पहुंचाना चाहते हैं, वे लिखित रूप में मेमोरेंडम भेज सकते हैं। यह मेमोरेंडम विज्ञापन के प्रकाशित होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर भेजना जरूरी है। मेमोरेंडम हिंदी या अंग्रेजी किसी भी भाषा में हो सकता है, लेकिन इसकी दो प्रतियां भेजनी होंगी।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर, 10 जनवरी [एजेंसी]।

सुरक्षा बलों ने मणिपुर के घाटी जिलों से अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयोन) के एक एक्टिव कैडर को इंफाल पूर्वी जिले के कोंगपाल चिंगंगबम इलाके से पकड़ा। उन्होंने बताया कि उसी दिन इंफाल पश्चिमी जिले के अम्बे खोंगनांग खोंग इलाके से प्रतिबंधित प्रेपाक (प्रो) के 50 वर्षीय सदस्य को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी के एक कैडर को इंफाल पश्चिमी जिले के नागाराम इलाके से कथित तौर पर जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पकड़ा गया, और उसके पास से दस डिमांड नोटिस वाला एक लिफाफा बरामद किया गया। एक तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के इकोप पट इलाके से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारी ने बताया कि उसी दिन इंफाल पूर्वी जिले की नातुम चिंग और सनासाबी पहाड़ियों से एक देसी AK राइफल, एक हैंड ग्रेनेड और बम सहित हथियार भी बरामद किए गए।

असम में 8 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स जब्त, 3 गिरफ्तार

असम 10 जनवरी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि पुलिस ने कछार जिले में 8.2 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की है और इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट बताया कि एक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 1.357 किलोग्राम मॉर्फिन जब्त की है। सरमा ने कहा, ड्रग्स तस्करों, मैं तुम्हें समझता हूं! तुमने 8.2 करोड़ रुपये की 1.357 किलोग्राम मॉर्फिन इम्पोर्ट की, लेकिन तुम एक आसान सी बात भूल गए कि यह असम है! मॉर्फिन, एक नॉन-सिंथेटिक नशीला पदार्थ है, जो अफीम से बनता है।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने चलवाई प्रदर्शनकारियों पर गोलियां

पुलिस की गोलीबारी में 217 मौतों का दावा

तेहरान, 10 जनवरी [एजेंसी]।

तेहरान में ईरान सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों में हिंसा बढ़ गई है। प्रदर्शन उग्र होता देख ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करने का आदेश दे दिया। इस गोलीबारी में 217 प्रदर्शनकारियों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। दरअसल, एक स्थानीय डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर टाइम पत्रिका को बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज हुई है। इसमें अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है। प्रदर्शनकारियों के मौत को लेकर स्थानीय डॉक्टर ने बताया कि मृतकों में अधिकतर युवा थे, जिनमें उत्तरी तेहरान के एक पुलिस स्टेशन के बाहर सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर मशीन गन से अंधाधुंध फायरिंग करने के दौरान मारे गए कई लोग शामिल थे। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, वाशिंगटन डीसी स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी, जो सिर्फ पहचाने गए पीड़ितों की गिनती करती है, उसने विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत से अब तक कम से कम 63 मौतों की पुष्टि की है। अगर मृतकों की संख्या की सही पुष्टि हो जाती है, तो यह उस आशंका को उजागर कर देगा, जिसमें गुरुवार रात से देश भर में इंटरनेट और फोन कनेक्शन लगभग पूरी तरह बंद करने से मिल रहा है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए भी चुनौती होगी, क्योंकि उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि सरकार 28 दिसंबर से सड़कों पर उतर रहे प्रदर्शनकारियों को मारती है, तो उसे इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को खुलीस चेतावनी देते हुए कहा, अगर ईरान गोली चलाता है और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को मारता है, जो कि उनका रिवाज है। तो अमेरिका उन्हें बचाने आएगा। हम तैयार है।

ईरान में महंगाई, गिरती मुद्रा और आर्थिक बदहाली के खिलाफ पब्लिक भड़की है और प्रदर्शन चल रहा है। यह प्रदर्शन ईरान के लगभग सभी 31 प्रांतों में फैल चुके हैं। प्रदर्शन के बीच ट्रंप की धमकी ने हालात और तनावपूर्ण बना दिए हैं। इधर ईरान ने भी सख्ती के संकेत दिए हैं। इधर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने ट्रंप पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इस्लामिक गणराज्य ट्रंप को खुश करने की कोशिश करने वाले उपद्रवियों के सामने नहीं झुकेगा। इसी दौरान ईरान सरकार ने घोषणा की कि प्रदर्शनकारियों को मौत की सजा का सामना करना पड़ सकता है। सरकारी टेलीविजन पर, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक अधिकारी ने माता-पिता को चेतावनी दी कि वे अपने बच्चों को प्रदर्शनों से दूर रखें और कहा, अगर... गोली लग जाए, तो शिकायत मत करना।

भीषण आग: दम घुटने से महिला समेत तीन की मौत

मुंबई, 10 जनवरी [एजेंसी]।

मुंबई के गोरेगांव पश्चिम स्थित भगत सिंह नगर में एक घर में शनिवार, 10 जनवरी की सुबह करीब 3 बजे आग लग गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। घर में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने भी आग पर काबू पा लिया। लेकिन घर में सो रहे तीनों लोगों की दम घुटने से मौत हो गई, जिसमें दो पुरुष और एक महिला शामिल है। मुंबई में शनिवार तड़के सुबह भगत सिंह नगर के एक घर में आग लग गई। पुलिस और दमल विभाग की गाड़ियां सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीं। लेकिन घर में सो रहे तीन लोगों को नहीं बचा पाई। मुंबई पुलिस का कहना है कि इस घटना में दम घुटने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। मुंबई अग्निशमन विभाग को आग लगने की जानकारी सुबह 3 बजकर 6 मिनट पर मिली थी। विभाग की तरफ से बताया गया कि घर में लगी आग ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पर बिजली के तारों में लगी थी। आग घर में रखे बाकी सामान तक भी फैल गई। विभाग की ओर से जानकारी दी गई कि दमकलकर्मियों के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर सबसे पहले बिजली सप्लाई को कट किया।

घरेलू गैस सिलेंडर में 11 रुपए की बढ़ोतरी

रायपुर 10 जनवरी। नए साल पर वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में हुए इजाफे के बाद उपभोक्ताओं की नजर घरेलू गैस के नए दामों पर टिक गई है। हर महीने की तरह तेल कंपनियों ने 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडर के ताजा रेट अपडेट कर दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर-रुपया विनिमय दर के चलते गैस के दामों में बदलाव देखने को मिला है। कहीं सिलेंडर सस्ता हुआ है तो कहीं कीमतों में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऐसे में आम परिवारों के मासिक खर्च पर इसका सीधा असर पड़ना तय है, क्योंकि रसोई गैस हर घर की बुनियादी जरूरत बन चुकी है। गैस सिलेंडर के दाम शहर-दर-शहर अलग-अलग हो सकते है। सब्सिडी वाले और बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमतों में फर्क साफ देखा जा सकता है। उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपनी नजदीकी गैस एजेंसी या आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने शहर का लेटेस्ट रेट जरूर चेक करें, ताकि बुकिंग के समय किसी तरह की परेशानी न हो।

दिल्लीवासियों को प्रदूषण से राहत नहीं बेहद खराब श्रेणी में बरकरार हवा

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की दिशा बदलने और गति सुस्त पड़ने के चलते फिजा एक बार फिर से खराब से बेहद खराब की श्रेणी में पहुंच गई। जो अभी भी उसकी श्रेणी में बरकरार है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 350 पार जा पहुंचा है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शनिवार सुबह दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 दर्ज किया गया है, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है।

बस और कार की भीषण टक्कर, हादसे में चार लोगों की मौत

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर में आज सुबह दसूहा मुख्य सड़क पर अड्डा दोसड़क के पास एक भीषण हादसा हो गया। यहां एक बस और कार की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा शनिवार सुबह करीब चार बजे हुआ। हादसा इतना भयानक था कि कार आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार सभी लोग हिमाचल प्रदेश के गगरेट के निवासी थी। पुलिस ने शवों को अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। वहीं, एक घायल व्यक्ति का उपचार जारी है। पुलिस टीम जांच में जुटी गई है। नंबर HP-72-6869 में सवार सुखविंदर सिंह (45) पुत्र हरनाम सिंह, सुशील कुमार (46) पुत्र देसराज, ब्रिज कुमार (38) पुत्र महिंदर कुमार, अरुण कुमार (45) पुत्र गुरपाल सिंह, निवासी चलेत गांव (दौलतपुर, हिमाचल प्रदेश), अमृत कुमार को विदेश जाने के लिए अमृतसर एयरपोर्ट छोड़ने जा रहे थे। जब वे अड्डा दुसड़का पहुंचे तो दसूहा से होशियारपुर जा रही रोडवेज की बस के साथ उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि अमृत कुमार घायल हो गया, जिसका इलाज जारी है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

निकाय चुनाव के लिए चाचा-भतीजा एकसाथ, अजित पवार के साथ मंच पर दिखीं सुप्रिया, घोषणा पत्र जारी

मुंबई, 10 जनवरी [एजेंसी]।

एनसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने पुणे नगर निगम चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने एक ही मंच साझा किया। शरद पवार और अजीत पवार की पार्टी पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में निकाय चुनाव एकसाथ लड़ रही है।

अजित पवार ने कहा हमारा मकसद पुणे के नागरिकों के लिए विकास और स्थिरता सुनिश्चित करना है। इस संयुक्त घोषणापत्र के माध्यम से हम शहर की जनता के सामने अपनी स्पष्ट नीति पेश कर रहे हैं। वहीं सुप्रिया सुले ने भी कहा कि पार्टी सभी वर्गों और समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति बनाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त मंच से भाजपा और अन्य विपक्षी पार्टियों के सामने मजबूत संदेश जाएगा। अजित पवार ने स्थानीय भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र से पर्याप्त फंड मिलने के बावजूद पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ का विकास रोक दिया गया। पिछले नगर निगम चुनावों में 2017 से 2022 तक दोनों निगमों में भाजपा की सरकार थी। इस बार एनसीपी का गठबंधन उनके विकास एजेंडे के साथ जनता के सामने चुनावी विकल्प पेश कर रहा है। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को 29 नगर निगमों, जिनमें पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ शामिल हैं, के लिए चुनाव होने हैं। राज्य चुनाव आयोग ने 15 जनवरी को इन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है ताकि अधिक से अधिक लोग वोट डालें।

आयोग ने 70 प्रतिशत से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है। पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में भाजपा अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है, जबकि एनसीपी पिंपरी-चिंचवाड़ के 32-वार्ड निगम में वापसी की तैयारी कर रही है। इस निगम में लगभग 17.13 लाख मतदाता होंगे, जो 128 पार्षदों का चुनाव करेंगे।

जम्मू में संदिग्ध ड्रोन से गिराए गए पिस्तौल और ग्रेनेड बरामद

जम्मू। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास एक फॉरवर्ड एरिया से हथियारों की एक खेप बरामद की गई है, जो शायद पाकिस्तान से एक ड्रोन से गिराई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन में टेररिस्ट की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए कड़ी सिक्योरिटी के बीच हथियारों की यह खेप बरामद की गई, जिसमें दो पिस्टल, तीन मैगज़ीन, 16 राउंड और एक ग्रेनेड शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और J&K पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की एक जॉइंट टीम ने बॉर्डर पार से एक ड्रोन की संदिग्ध मूवमेंट की जानकारी मिलने के बाद देर रात घगवाल के पलूरा गांव में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

खरवानी में ग्रामीण स्तरीय प्लास्टिक बाल क्रिकेट प्रतियोगिता 14 जनवरी से

कोरबा। तहसील बरपाली के अंतर्गत ग्राम पंचायत खरवानी में 14 जनवरी से ग्रामीण स्तरीय में ब्लास्टिक बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांच शुरू होगा। ठाकुरदिया पारा के युवाओं की ओर से प्रतियोगिता करवाई जा रही है, जिसमें क्षेत्र की सभी क्रिकेट प्रेमी टीमें भाग ले सकते है। प्रतियोगिता की प्रथम विजेता टीम को 15001और उप विजेता को 10001 हजार रुपये और तृतीय 5001 रूपये नकद ट्राफी के साथ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।इस क्रिकेट प्रतियोगिता के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार राठौर ने बताया कि 14 जनवरी से खरवानी में ग्रामीण स्तरीय प्लास्टिक बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वालीं टीमों को 11 जनवरी से पंजीकरण प्रारंभ होगा। टीम पंजीकृत करने के लिए 1001 रुपये की राशि जमा करनी होगी। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और गेंदबाज को सर्वश्रेष्ठ कीपर और उभरते हुए खिलाड़ी को नकद राशि और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

जिले में 09 जनवरी तक किसानों से 1637968 क्विंटल धान की हुई खरीदी

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2025-26 में जिले के 65 धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से किसानों में हर्ष व्याप्त है। धान खरीदी केंद्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों की उपज खरीदी के लिए ऑनलाइन टोकन वितरण, बारदाने की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से तौलाई, शीघ्रता से भुगतान आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। जिले में 52 हजार से अधिक किसान धान विक्रय के लिए पंजीकृत है। जिले में 09 जनवरी 2026 शाम 05.30 बजे तक की स्थिति में 1637968.80 क्विंटल गुणवत्तायुक्त धान पंजीकृत किसानों से खरीदी की गई है।जिला प्रशासन द्वारा समितियों से धान का उठाव भी शीघ्रता से कराया जा रहा है। कोरबा जिले में अब तक 1084776 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। जिला प्रशासन द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों एवं संवदेनशील धान खरीदी केन्द्रो से प्राथमिकता से धान का उठाव किया जा रहा है। जिससे किसानों को धान बेचने में परेशानी न हो। साथ ही किसानो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संग्रहण केन्द्रों की व्यवस्था एवं समितियों में धान की स्टैकिंग कराकर स्थान बनाया गया है।

रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 15 जनवरी को

कोरबा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोरबा में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 15 जनवरी को किया जा रहा है। प्लेसमेन्ट कैम्प के माध्यम से 04 नियोजकों - .जिफ्सा कोरबा, .आईसेक्ट कोरबा, प्रमेरिका लाईफ इंश्योरेंस लिमि0 रायपुर, फिजिक्स वालाह कोरबा के द्वारा निम्नांकित पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी।

रिक्तियों का विवरण :- जिफ्सा के पद - 42 पद, आईसेक्ट- .सेल्स एक्जीक्यूटिव्ह-2 सेल्स रिप्रेन्टेटिव्ह-1 वासिंग परसन - 2 महिला, मैनेजर-1 टेक्निकल (मैकेनिकल)-2, प्रमेरिका- ऑफिसर परम - 15, फिजिक्स वालाह-कैरियर काउंसलर-5, टैली कॉलर- 5, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव्ह-4 रिक्त पदो के लिए, आयुसीमा- 18 वर्ष से 45 वर्ष तक एवं योग्यता- 10वी, आई.टी.आई. स्नातक बी.एस.सी. साईंस कार्यस्थल - कोरबा वेतनमान रूपये - 10,000/- से 30,000/- तक नियोजक द्वारा निर्धारित किया गया है।प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने हेतु आवेदकों को रोजगार पंजीयन एवं ई.रोजगार पोर्टल में इच्छुक पदों पर ऑनलाईन अप्लाई किया जाना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक-आवेदिकाएं उक्त तिथि को सुबह 11.00 बजे से 3.00 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोरबा में उपस्थित होकर अपने योग्यतानुसार रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए रोजगार कार्यालय के दूरभाष नंबर 07759-222069 पर संपर्क किया जा सकता है। एवं रोजगार कार्यालय के टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ सकते हैं।

मंगल भवन सहित खेल परिषर का हुआ भूमि पूजन

कोरबा । कोरबा-पश्चिम बांकीमोंगरा नगर की लंबे समय से चली की जा रही मांग अब पूर्ण होती नजर आ रही हैं। बांकीमोंगरा क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाई देते हुए गजरा मैदान को अब एक व्यवस्थित स्टेडियम का स्वरूप दिया जाएगा। साथ ही, नागरिकों की सुविधा के लिए एक भव्य मंगल भवन का निर्माण भी किया जाएगा।

इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल और बांकीमोंगरा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनी विकास झा सहित समस्त पार्षदगण के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ।यह कार्य कुल 1 करोड़ 61 लाख में होगा, जिसके अंतर्गत मंगल भवन का 96 लाख रुपए व गजरा मैदान का 65 लाख रुपए से सौंदर्यीकरण होगा। इस दौरान भाजयुमो छत्तीसगढ़ पुर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष विकास झा ने कहा कि मैदान के स्टेडियम बनने से स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। जनता का विश्वास और क्षेत्र का विकास ही हमारा मुख्य लक्ष्य है।साथ ही मंगल भवन के निर्माण से शहरवासियों को शादी-ब्याह और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त स्थान प्राप्त होगा।भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास उनकी प्राथमिकता है और बजट की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। वहीं, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनी विकास झा ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि नगर की जनता की सुविधा के लिए परिषद निरंतर प्रयासरत है

कन्हैया लाल जायसवाल का निधन

कोरबा । कोरबा क्षेत्र के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित नागरिक कन्हैया लाल जायसवाल का शुक्रवार 09 जनवरी को दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजन, रिश्तेदार, मित्र, राजनीतिक, सामाजिक हलकों सहित पूरे अंचल में शोक की लहर दौड़ गई है। वे अपने शांत, सहज, सरल, मृदभासी, मिलनसार व्यक्तित्व के कारण क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे।

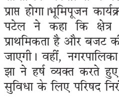

दिवंगत कन्हैया लाल जायसवाल पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जायसवाल के पिता और पूर्व विधायक स्वर्गीय कृष्ण लाल जायसवाल के भतीजे थे। वे अपने पीछे चार पुत्रों, दो पुत्रियों और नाती-पोतों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे विसाहू जायसवाल और विशाल जायसवाल के बड़े भाई थे।

परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया की उनकी उनकी अंतिम यात्रा शनिवार, 10 जनवरी 2026 को दोपहर 3:00 बजे उनके निवास स्थान लालूराम कॉलोनी से अंतिम संस्कार मोतीसागर पारा स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा। उनके निधन पर शहर के विभिन्न जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों ने गहन शोक व्यक्त किया है।

पीएमजीएसवाय सड़कों के रख-रखाव, नवीनीकरण एवं निरीक्षण कार्य किया जा रहा है निर्धारित मानकों, प्रक्रियाओं और गुणवत्ता नियंत्रण के अनुरूप

कोरबा । प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जिले में निर्मित, नवीनीकृत एवं संधारित सभी सड़कों का रख-रखाव नियमित रूप से और निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जा रहा है। वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि में नवीन निर्माण के बाद संधारण अवधि में आने वाली कुल 25 सड़कें हैं। संधारण पखवाड़ा वर्ष 2023-24 के दौरान 270 सड़कों का संधारण कार्य पूर्ण किया गया है। वर्ष 2024-25 के संधारण पखवाड़ा में 95 सड़कों का संधारण पूरा किया जा चुका है। जिले की अन्य सड़कों पर संधारण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है।

वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए नवीनीकरण हेतु सड़कों का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था, जिनमें से 65 सड़कों को स्वीकृति प्राप्त हुई। निरस्त सड़कों में से 9 सड़कों को वर्ष 2026-27 की प्राथमिकता सूची में पुन: प्रस्तावित किया गया है, जबकि शेष 8 सड़कों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के सुदृढ़ीकरण मद के अंतर्गत 444 सड़कों की सूची में सम्मिलित करते हुए उच्च कार्यालय से स्वीकृति के लिए भेजा गया है, जिसकी स्वीकृति अपेक्षित है।

विभाग द्वारा संधारण अवधि में आने वाली सभी सड़कों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है और आवश्यकतानुसार संधारण कार्य लगातार संचालित है। अमलडीहा से नवापारा सड़क का नवीनीकरण कार्य 31 जनवरी 2021 को पूरा हुआ था, जिसकी संधारण अवधि 31 जनवरी 2026 तक मान्य है। वर्तमान में इस सड़क पर संधारण कार्य जारी है। वहीं सोहागपुर से पटियापाली (सोहागपुर से मुकुन्दपुर) सड़क का नवीनीकरण कार्य 30 जून 2019 को पूरा हुआ था और इसकी संधारण अवधि 30 जून 2024 को समाप्त हो चुकी है। इस सड़क को अधीक्षण अभियंता, परियोजना मंडल बिलासपुर के पत्र दिनांक 07 फरवरी 2025 के अनुसार विधिवत अधिपत्य में ले लिया गया है।

कार्यपालन अभियंता परियोजना क्रियान्वयन इकाई कोरबा द्वारा बताया गया है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जिले की सभी सड़कों का रख-रखाव, नवीनीकरण एवं निरीक्षण कार्य पूरी तरह निर्धारित मानकों, प्रक्रियाओं और गुणवत्ता नियंत्रण के अनुरूप किया जा रहा है। विभाग द्वारा संधारण अवधि में आने वाली सभी सड़कों पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है और जहां कार्य शेष है वहां कार्य प्रगति पर है या स्वीकृति की प्रतीक्षा में है।

कृषक उन्नति योजना से बदली ग्राम कछार के किसान आनंद सिंह कंवर की तकदीर

कोरबा । जिले के कोरबा ब्लॉक के ग्राम कछार निवासी किसान आनंद सिंह कंवर की सफलता की कहानी आज कई किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है। 6 एकड़ कृषि भूमि के मालिक आनंद सिंह बताते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए गए निर्णयों ने उनकी कृषि आय और आत्मविश्वास दोनों को बढ़ाया है।

आनंद सिंह अपने खेतों में मुख्यत: धान की खेती करते हैं। उनका कहना है कि सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य तथा कृषक उन्नति योजना के तहत मिलने वाली अतिरिक्त सहायता ने खेती को लाभदायक बनाया है। वे बताते हैं कि एक क्विंटल धान पर 3100 रुपये मिलने से किसान आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं और खेती की ओर और अधिक रुचि ले रहे हैं।पिछले वर्ष आनंद सिंह ने 50 क्विंटल धान की बिक्री की थी, जबकि इस वर्ष उन्होंने 80 क्विंटल धान बेचकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। प्राप्त राशि का उन्होंने सही उपयोग करते हुए खेत की सिंचाई व्यवस्था सुधारने के लिए मोटर पंप खरीदा, जिससे उनकी कृषि उत्पादकता और बढ़ गई है।आनंद सिंह धान खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं की भी सराहना करते हैं। उनके अनुसार, खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे खरीदी प्रक्रिया सरल, सुगम और बिना किसी परेशानी के सम्पन्न होती है।सरकारी योजनाओं, समय पर मिलने वाली सहायता और अपनी मेहनत के बल पर आनंद सिंह कंवर आज एक प्रगतिशील किसान के रूप में उभरकर सामने आए हैं। उनकी यह सफलता कहानी न केवल ग्राम कछार बल्कि पूरे कोरबा जिले के किसानों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

कृषकों की सुविधा हेतु एकीकृत किसान पोर्टल पर 31 जनवरी तक पंजीयन एवं विवरण संशोधन की समय-सीमा बढ़ी

कोरबा। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्राद्यौगिकी विभाग द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं विवरण संशोधन की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं।विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, किसानों के पंजीयन बाद विवरण संशोधन की सुविधा अब 31 जनवरी 2026 तक उपलब्ध रहेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 31 जनवरी 2026 तक अब किसान नाम, रकबा, फसल विवरण समेत अन्य त्रुटियों को तय समय-सीमा के भीतर ठीक करा सकेंगे।

एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन के पश्चात विभिन्न किसानों द्वारा अपने विवरणों में संशोधन हेतु आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। इसी क्रम में शासन द्वारा यह निर्देश दिए गए हैं कि राजस्व विभाग के अधिकारियों/ पटवारियों द्वारा किसानों के विवरण का भौतिक सत्यापन किए जाने के उपरांत 'विवरण संशोधन' की सुविधा 31 जनवरी 2026 तक सभी समितियों में समिति लॉगिन के माध्यम से जारी रखी जाए। इससे पात्र किसानों को अपने पंजीयन में त्रुटियों के सुधार का अवसर मिलेगा और वे शासन की विभ्भिन योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त कर सकेंगे। कृषि विभाग छ.ग. शासन ने इस संबंध में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, सहकारिता विभाग सहित संबंधित सभी विभागों को आवश्यक दिशा- निर्देश जारी किए हैं। साथ ही, अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ अमले को स्पष्ट निर्देश जारी कर प्रक्रिया का सुचारु एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शासन के इस निर्णय से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। अब वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने पंजीयन विवरणों में सुधार कर एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से योजनाओं का लाभ निर्बाध रुप से प्राप्त कर सकेंगे।

तसर पालन ने बदल दी जिंदगी -ग्राम सलोरा के किसान भरत राम केवट बने आत्मनिर्भर

कोरबा। जिले के ग्राम सलोरा निवासी 57 वर्षीय किसान श्री भरत राम केवट तसर रेशम उत्पादन के क्षेत्र में एक प्रेरक और सफल नाम बन चुके हैं। कृषि प्रधान तथा सीमित संसाधनों वाले परिवार में जन्मे श्री केवट ने कठिन परिस्थितियों के बीच अपनी मेहनत, लगन और वैज्ञानिक तकनीकों के सहारे आर्थिक स्थिरता प्राप्त की। आज तसर पालन उनके पूरे परिवार की आजीविका का सशक्त माध्यम है। परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियाँ और दो बेटे शामिल हैं, जो सभी इस कार्य में सहयोग करते हैं।श्री केवट को बचपन से ही तसर पालन का अनुभव मिलता रहा। उनके पिता प्रत्येक रविवार उन्हें जंगल ले जाकर तसर कीट पालन की बारीकियाँ सिखाते थे। उस समय परिवार के पास एक कच्चा मकान था और कृषि आय ही जीवन का प्रमुख साधन थी, लेकिन आर्थिक कठिनाइयाँ हमेशा सामने रहती थीं। वर्तमान में उनके पास 1 एकड़ भूमि है, जहाँ वे खरीफ में धान की खेती करते हैं।1980 के दशक में उन्होंने केंद्रीय रेशम बोर्ड के रामपुर (अब चंपा) स्थित प्रशिक्षण केंद्र से तसर पालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद वे निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेते रहे और रेशम बोर्ड द्वारा उपलब्ध सामग्रियों एवं बीज सहायता का लाभ उठाते रहे। उन्होंने तसर पालन की संपूर्ण प्रक्रिया में स्वच्छता, चूना-ब्लीचिंग, नियमित निगरानी और रोगग्रस्त लार्वा के सुरक्षित निपटान जैसी वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाया।लगभग 33 वर्षों के अनुभव ने उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले तसर कोकून उत्पादन में विशिष्ट पहचान दिलाई है। बीएसएमटीसी बिलासपुर से प्राप्त 145 डीएफएल पर उन्होंने 10,000 बीज कोकून और 600 गैर-बीज कोकून का उत्कृष्ट उत्पादन किया, जो सामान्य उत्पादन दर से कहीं अधिक है। भविष्य में वे अपने परिवार के सहयोग से 500 डीएफएल पालन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं।तसर पालन से उन्हें वर्ष में दो फसलें प्राप्त होती हैं, जिससे लगभग ढाई लाख रुपए की वार्षिक आय होती है। इसी आय से उन्होंने अपने बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित की, बेटों और बेटियों की शादियाँ कीं, तीन पक्के मकान बनाए, साइकिलें खरीदीं, बैलों की जोड़ी और दो तालाब विकसित कर अनुबंध आधारित मछली पालन भी शुरू किया। इस प्रकार तसर पालन ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को पूरी तरह बदल दिया।श्री केवट ने सिर्फ खुद को सक्षम नहीं बनाया बल्कि 8-10 किसानों को तसर पालन अपनाने के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित भी किया। उनके मार्गदर्शन में कई किसान आज अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ किसान' जैसे सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।श्री भरत राम केवट गर्व से कहते हैं, 'यदि अच्छी गुणवत्ता के डीएफएल मिलें तो मैं प्रति डीएफएल 100 कोकून देने की गारंटी देता हूँ। तसर पालन ने मेरी जिंदगी बदली है। घर बनाया, बच्चों को पढ़ाया और परिवार को आगे बढ़ाया। अब दूसरों को मार्गदर्शन देना ही मेरे लिए सबसे बड़ा संतोष है।

एसटी, एससी व ओबीसी वर्ग के छात्रों से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन की तिथि बढ़ी

कोरबा । जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं डाईट आदि के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं संस्थान में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो राज्य शासन द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, तथा संस्थाओं के प्राचार्यो/संस्था प्रमुखों, छात्रवृत्ति प्रभारियों को सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाईन की जा रही है की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है।सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025-26 छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन/पंजीयन (नवीन/नवीनीकरण) हेतु अंतिम तिथि 15 जनवरी 2026 तक, संस्थाओं द्वारा प्रपोजल लाक कर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को प्रेषित करने की तिथि 05 फरवरी 2026, शासकीय संस्था/जिला कार्यालय द्वारा सेन्शन आर्डर लाक करने की तिथि 08 फरवरी, जिला कार्यालय द्वारा भुगतान हेतु राज्य कार्यालय को प्रेषित करने की तिथि 10 फरवरी और छात्रवृत्ति भुगतान करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है।

सहायक आयुक्त ने बताया कि निर्धारित तिथि के पश्चात् शिक्षा सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाईन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा। निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख जिम्मेदार होंगे। छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है। इस हेतु सभी विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन करते समय एक्टिव बचत खाता एवं आधार सीडेड बैंक खाता नंबर की प्रविष्टि करना सुनिश्चित करें। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को एनएसपी पोर्टल से ओटीआर (वन टाईम रजिस्ट्रेशन) प्राप्त करना आवश्यक है। इस हेतु राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल में प्रदाय निर्देशों का अवलोकन किया जा सकता है। वर्ष 2025-26 में नवीन संस्था के संस्था प्रमुख एवं संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारी का बायोमैट्रिक-एथेंटिकेशन किया जाना आवश्यक है।

पांचवी अनुसूची क्षेत्र की प्रस्तावित कोयला खदान को निरस्त करने की मांग गोंगपा ने सौंपा ज्ञापन

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के बीजाडाड़ पुटीपखना में एक महापंचायत संपन्न हुई। इसमें रुंगटा कोल माइंस के विरोध में आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर मरकाम ने कहा कि 'जहां भी खदानें खुली हैं, वहां के आदिवासी बर्बाद हो गए। इस वजह से और खदानें नहीं खुलने देंगे।'

विधायक श्री मरकाम ने आगे कहा कि ग्रामीणों ने खदान का विरोध करने का निर्णय लिया है। प्रशासन को पहले उन स्थानों पर जाकर देखना चाहिए, जहां खदानें खुली हैं। वहां कोई व्यवस्था नहीं है। यह क्षेत्र पांचवी अनुसूची में आता है। बिना ग्राम सभा के कोई भी जमीन नहीं ले सकते। इसके बाद भी ग्रामीणों के बिना जानकारी के जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है। कोयला मंत्रालय ने विजय सेंट्रल कोल माइंस बीजाडाड़ को रूंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को दिया है। केंद्र सरकार को 'जमीन जिनकी-खनिज उनकी' कानून बनाना चाहिए। इस क्षेत्र में पहले से दो खदानें रानी अटारी और विजय वेस्ट कोल माइंस संचालित है, लेकिन जिस तरह से क्षेत्र का विकास होना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। एक और नए खदान के खुलने से क्षेत्र के लोगों का रहना मुश्किल हो जाएगा। जिला स्तर पर अनुसूचित जनजाति परिवारों को वन अधिकार पट्टा देना चाहिए। पार्टी ने निर्णय लिया है कि आगे भी खदान के विरोध में आंदोलन किया जाएगा।

जिले में खुलेगा पहला महिला थाना-गजट नोटिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू

कोरबा । कोरबा जिला बनने के ढाई दशक बाद कोरबा में महिला थाना खुलेगा, इसके लिए बजट में मंजूरी के बाद आगे की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही गजट नोटिफिकेशन के बाद महिला सेल की जगह महिला थाना का संचालन शुरू हो जाएगा।

कोरबा जिले में महिला संबंधी अपराध घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना के मामले में सीधे कार्यवाही नहीं होती, क्योंकि यहां महिला थाना नहीं है। ऐसे में महिला अपराध से संबंधित मामले पहले महिला सेल भेजा जाता है, जहां पारिवारिक मामला होने पर दोनों पक्ष को बुलाकर परामर्श दिया जाता है। इस दौरान आपसी समझौता नहीं होने पर मामले में कार्यवाही हेतु अनुशंसा की जाती है, इसलिए जिले में लंबे समय से महिला थाना की मांग की जा रही है, महिला संबंधी अपराध में जिससे सीधे कार्यवाही हो सके। हालांकि जिला गठन के ढाई दशक बाद अब महिला थाना भी जल्द खुलेगा। इसके लिए शासन द्वारा बजट में मंजूरी मिलने पश्चात आगे की प्रक्रिया चल रही है। गजट नोटिफिकेशन के बाद महिला थाना खोला जाएगा। शुरुआत में जहां महिला सेल संचालित है, उसी भवन में महिला थाना का संचालन होगा।

जिले में महिला थाना नहीं खुलने पर एक दशक पहले महिला सहायता और परिवार परामर्श केंद्र (महिला सेल) की शुरुआत हुई। वर्तमान में महिला निरीक्षक भावना खंडारे महिला सेल की प्रभारी हैं, जिनके नेतृत्व में महिला पुलिस कर्मियों की टीम महिला संबंधी अपराध में बयान व जांच के लिए पहुंचती है। वहीं महिला सुरक्षा के संबंध में शिविर लगाकर जागरूक करने के साथ ही प्रशिक्षण भी दिया जाता है। वहीं सेल में पहुंचने वाले महिला अपराध से संबंधित केस में कार्यवाही की जाती है।

राज्य शासन द्वारा पिछले वर्ष के मुख्य बजट में प्रदेश में पांच नए महिला थानों की स्थापना की मंजूरी दी थी। इसमें पड़ोसी जिला रायगढ़ सहित जशपुर, कबीरधाम, जगदलपुर और दंतेवाड़ा शामिल किए गए, जहां थानों का संचालन शुरू हो गया है। बाद में राज्य शासन ने प्रदेश के सभी जिलों में महिला थाना खोलने घोषणा की। इसके तहत कोरबा में भी महिला थाना खोलने की मंजूरी मिली और तैयारी भी कर ली गई है। अब मात्र गजट नोटिफिकेशन बाकी है।

जिले में महिला सेल की जगह महिला थाना खुलने के साथ ही प्रभारी समेत स्टाफ का अधिकार बढ़ जाएगा। थाना में सीधे एफआईआर होगी। वहीं महिला संबंधी अपराध में त्वरित कार्रवाई के लिए जांच व आरोपियों की धरपकड़ भी होगी। वहीं पीड़ित महिलाएं बिना झिझक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगी। त्वरित व संवेदनशील कार्रवाई होने से घरेलू हिंसा, उत्पीड़न और अन्य अपराधों से निपटने में मदद मिलेगी। महिलाएं सशक्त महसूस करेंगी। महिला संबंधी अपराध में कमी आएगी।

कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के कहा कि कोरबा में महिला थाना खोलने की घोषणा के बाद आगे की प्रक्रिया जारी है। जिला पुलिस की ओर से तैयारी कर ली गई है। गजट नोटिफिकेशन के बाद निकट भविष्य में महिला थाना खुलेगा।

महिला कांग्रेस ने पुतला जलाकर किया प्रदर्शन

कोरबा । उन्नाव रेप केस 2017 के मामले को लेकर राष्ट्रीय महिला कांग्रेस के निर्देश पर देश भर में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया गया । इसी तारतम्य में जिला महिला कांग्रेस के शहर अध्यक्ष श्रीमती कुसुम द्विवेदी के अगुवाई में ओपन थियेटर घंटाघर के पास महिला कांग्रेस ने भाजपा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया ।इस अवसर पर उपस्थित पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि आठ वर्ष बाद इस मामले में नया मोड़ सामने आया है पीड़िता ने सनसनीखेज आरोप लगाया है कि जांच अधिकारी ने दुर्भावना और कपटपूर्ण तरीके से जांच किया है जिससे आरोपियों को लाभ मिल सके जो कि दुर्भाग्यजनक है ।जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी ने कहा कि इस मामले की मुख्?य आरोपी भाजपा के पूर्व विधायक सेंगर के प्रभाव में आकर जांच अधिकारी ने जांच को कमजोर बनाया ताकि तथ्यों में हेरफेर का ओरापियों को लाभ मिल सके । जबकि पीड़िता एवं पीड़िता के परिवार कई वर्षों से इंसाफ की राह देख रहे हैं । श्रीमती द्विवेदी ने बताया कि पीड़िता ने स्वयं बताया है कि अलग - अलग पक्षों से धमकियाँ दी जा रही है । कांग्रेस हमेशा से जनहित की लड़ाई में आगे रही है और हम आगे भी सड़क की लड़ाई लड़ेगें और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे । ''नारी के सम्मान में कांग्रेस मैदान में तथा अत्याचारी को फांसी दो'' के नारे लगे ।इस मौके पर पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर, नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहु, सुकसागर निर्मलकर, प्रदेश सचिव विकास सिंह, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज, आरिफ खान, पालुराम साहु, मनहरण राठौर, रामकुमार राठौर, जवाहर निर्मलकर, पवन विश्वकर्मा, परमानंद सिंह, माधुरी ध्रुव, शांता मंडावे, सीमा उपाध्याय, ममता अग्रवाल, पुष्पा पात्रे, संगीता श्रीवास्तव, दुर्गा सिंह, गीता महंत, टिंकी महंत, सकीला बेगम, आरफा बेगम, मीरा सिंह, मधुबाई पटेल, शांति मरावी, संगीता यादव, दुर्गा महंत, शारदा महंत, झलकुंवर ठाकुर, शालु पनरिया, रेवती पंडित, शायदा खान, लतानंद, सोनी कर्ष, नीरा देवी, गणेश दास महंत, कुजबिहारी साहु, सुनील निर्मलकर, विवेक श्रीवास, रिखीराम श्रीवास, घनश्याम कुमार, चुड़ावन दास, कमल किशोर, सतीश राठौर, अनिल कुमार, बनारसी यादव, अनवरा रजा, दावेन बेक सहित आदि उपस्थित थे ।

कृषक से 42 लाख की धोखाधड़ी के मामले में 22 जनवरी तक जेल भेजा विधायक बालेश्वर साहू को

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा के जैजैपुर से कांग्रेस विधायक बालेश्वर साहू ने किसान से 42 लाख 78 हजार रुपए की धोखाधड़ी की है। पुलिस ने 9 जनवरी को कोर्ट में चार्जशीट पेश किया। सुनवाई के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रवीण मिश्रा ने विधायक को 22 जनवरी तक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक कांग्रेस विधायक बालेश्वर साहू ने सहयोगी गौतम राठौर के साथ मिलकर किसान राजकुमार शर्मा (46) के नाम पर 42 लाख का लोन पास कराया। इसके बाद किसान से 10 ब्लैंक चेक ले लिए। इसी ब्लैंक चेक के माध्यम से अलग-अलग किस्त में फर्जी साइन से पैसे निकाल लिए।

2015 से 2020 के बीच बालेश्वर साहू बम्हनीडीह सहकारी बैंक में मैनेजर के पद पर पदस्थ थे। वहीं गौतम राठौर उस समय विक्रेता के पद पर काम कर रहा था। दोनों ने मिलकर किसान क्रेडिट कार्ड से लोन दिलाने का झांसा दिया। बहाने से 10 ब्लैंक चेक भी ले लिए।

इसके साथ ही साथ ही एचडीएफसी बैंक में दो नए खाते भी खुलवाए। इन चेकों पर फर्जी हस्ताक्षर और अंगूठा लगाकर, दोनों ने धीरे-धीरे मिलाकर 42 लाख 78 हजार रुपए किसान के खातों से निकाल लिए। शुरुआत में 15 जनवरी 2015 को पहली बार 51 हजार रुपए की निकासी की गई थी।

बैंक से मिली धोखाधड़ी की जानकारी

किसान राजकुमार शर्मा ने बताया कि इसके बाद रकम धीरे-धीरे बढ़ती गई। बालेश्वर साहू ने अपनी पत्नी आशा साहू के खाते में भी 7.5 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए। किसान को इस मामले की जानकारी तब हुई, जब 2020 में एचडीएफसी बैंक चांपा से उसे कॉल आया।

इस दौरान पूछा गया कि क्या उसने बालेश्वर साहू को पैसे निकालने की अनुमति दी है। यह सुनकर किसान के होश उड़ गए। वो तुरंत बैंक जाकर डिटेल निकाला। इसके बाद बालेश्वर साहू के पास पहुंचा। उस समय बालेश्वर साहू ने 6 महीने के भीतर ब्याज समेत पूरी रकम लौटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन वादा पूरा नहीं हुआ।

किसान ने बताया कि इसी बीच विधानसभा चुनाव हुए। सहयोगी गौतम राठौर ने रकम को चुनावी खर्च बताया। पैसा वापस मांगने पर दोनों टालमटोल करने लगे। इसके बाद पीड़ित किसान ने विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ चांपा थाने में 14 अगस्त 2025 को शिकायत दर्ज कराई।

वहीं शिकायत मिलने के बाद चांपा पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच की। सबसे पहले शिकायतकर्ता राजकुमार शर्मा, उनकी पत्नी और मां के बयान दर्ज किए गए। तीनों ने बताया कि उन्होंने खुद कभी पैसे नहीं निकाले। इसके बाद पुलिस ने सहकारी बैंक के 5 कर्मचारियों और अन्य गवाहों के बयान भी दर्ज किए।

जांच में यह भी सामने आया कि 24 जनवरी 2020 को की गई एक निकासी पर्ची में बालेश्वर साहू का मोबाइल नंबर दर्ज था, जिससे साफ हो गया कि निकासी उन्हीं के ओर से की गई थी। इस आधार पर पुलिस ने सभी दस्तावेजों और बयानों को सबूत मानते हुए कार्रवाई की।

चांपा पुलिस ने बताया कि बयानों और सबूतों के आधार पर 3 अक्टूबर 2025 को स्नढ्ढक्र दर्ज की गई। बालेश्वर साहू और गौतम राठौर के खिलाफ धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (कागजातों की जालसाजी), 267 (सरकारी दस्तावेज का गलत इस्तेमाल), और 34 (साझा अपराध) के तहत केस दर्ज किया।

इसके बाद विधायक बालेश्वर साहू ने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट का रुख किया था, जिसने 4 नवंबर, 2025 को एक आदेश जारी किया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं करेगी। विधायक बालेश्वर जांच में सहयोग करेंगे।

हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि चार्जशीट चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (ष्टछ्वरू) की कोर्ट में पेश की जाए। हाईकोर्ट के आदेश के बाद चांपा पुलिस ने 7 जनवरी 2026 को रूरुबालेश्वर साहू को एक नोटिस जारी किया। कोर्ट में चार्जशीट पेश होने के दौरान 9 जनवरी को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा था।

इसके बाद 9 जनवरी को बालेश्वर साहू जांजगीर-चंपा में चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रवीण मिश्रा की कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के दौरान बालेश्वर ने जमानत के लिए अपील की, लेकिन प्रवीण मिश्रा की कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। उन्हें 22 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच, उनके सहयोगी गौतम राठौर जमानत पर बाहर हैं।

मुआवजा में फर्जीवाड़ा, गिरफ्तार किया दो आरोपी को

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले में भूमि अधिग्रहण मुआवजे में 24 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अकलतरा पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड बनाकर राशि का गबन करने वाले 5 फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

आरोपी पिछले तीन वर्षों से फरार थे। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर उन्हें पकड़ा।

ग्राम तरौद निवासी योगेन्द्र सिंह चंदेल ने 8 अप्रैल 2023 को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी भूमि के.एस.के. वर्धा पावर प्लांट के लिए अधिग्रहित की गई थी, जिसकी मुआवजा राशि 24 लाख रुपये थी।

यह मुआवजा राशि बिलासपुर हाईकोर्ट में विचाराधीन थी। इसी दौरान, अज्ञात व्यक्तियों ने प्रार्थी और उनके भाई के नाम से फर्जी आधार कार्ड बनवाए। इन फर्जी दस्तावेजों का उपयोग कर डीसीबी बैंक जांजगीर में एक खाता खोला गया और पूरी मुआवजा राशि निकाल ली गई।इस मामले में अकलतरा थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 और 34 के तहत मामला दर्ज किया था।

पुलिस जांच के दौरान खाद्य विभाग से आधार संबंधी जानकारी जुटाई गई। इसके आधार पर संदेही दीपक दिवाकर और नरेश रत्नाकर को हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में सामने आया कि इस पूरे फर्जीवाड़े की योजना दीपक दिवाकर के ससुर शंकर लाल भारद्वाज, परमेश्वर पाटले और विश्राम भारद्वाज ने मिलकर बनाई थी। आरोपियों ने झूठे शपथ पत्र का उपयोग कर आधार कार्ड में नाम बदलवाए, फिर बैंक खाता खुलवाकर मुआवजा राशि आपस में बांट ली। पुलिस ने आरोपियों से फर्जी आधार कार्ड, बैंक दस्तावेज, मोबाइल नंबर और फोटो सहित अन्य महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए हैं। सभी गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

शहर की कई गलियों में सड़कों के बीच हुए गड्ढे, राहगीरों के लिए खतरा

जांजगीर। शहर की कई गली , मोहल्लों के सड़कों पर बीचोंबीच उभरे गड्ढे अब लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। वहीं लिंक रोड राज पैलेस के बगल से होकर गुजरने वाले सड़क के बीच - बीच में कई गड्ढे है। गड्ढे को स्लैप से ढका गया है। लेकिन ढके हुए स्लैप बुरी तरफ से दब चुका है। जिससे गड्ढे फिर से उभर चुके है। जिससे आवागमन करने वाले राहगीरों को अपनी जान जोखिम में डाल कर चलना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा रात में दिक्कत होती है क्योंकि, रात होते ही गड्ढे दिखाई नहीं पड़ता है। जिससे बाइक और कार चालकों के वाहन के पहिया फस जाता है।

चार करोड़ रुपए से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन

पामगढ़। विधायक शेषराज हरवंश ने पौने चार करोड़ की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। विधायक हरवंश ने ग्राम पकरिया से रीवापार तक पहुंच मार्ग 1 करोड़ 13 लाख, मुड़पार (ब) से मुरली गांव की ओर पहुंच मार्ग लागत 1 करोड़ 87 लाख व ग्राम पंचायत सेमरिया में 43 लाख से बनने वाले विभिन्न सीसी रोड के साथ निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। विधायक शेषराज हरवंश ने कहा कि यह भूमिपूजन निश्चित रूप से इन गांवों के विकास के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। किसी भी गांव को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने आवागमन की समुचित व्यवस्था प्रदान करना ही मुख्य आवश्यकता होती है। इस दौरान पूर्व विधायक अंबेश जांगड़े, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नवल सिंह, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिलाध्यक्ष नीरज खूंटे, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मानेश जांगड़े, जनपद उपाध्यक्ष रूपचंद साहू, कोमल ब्रह्मभट्ट, पकरिया सरपंच प्रमिला सत्यटोंड़े, जनपद सदस्य रजनी दीपक साहू, रीवापार सरपंच नीता संजय कुर्रे, मुड़पार सरपंच सरपंच दिलेश्वरी जाहिर, व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पराली जलाने से एक्यूआई 100 के पार पहुंच गया

जांजगीर। खेतों में पराली जलाने का असर वातावरण पर पड़ रहा है। धान की कटाई के बाद खेतों में बची पराली को किसान जला रहे हैं। इसका असर वातावरण पर पड़ रहा है और इससे हमारी जीवनदायिनी हवा प्रदूषित हो रही है। इसे एयर क्वालिटी इंडेक्स से परखा जा रहा है। गुरुवार और शुक्रवार को खोखसा गांव के आसपास बड़ी मात्रा में पराली जलाने का असर जांजगीर शहर में दिखा और शहर का एक्युआई 100 पार कर गया । मौसम विभाग के एप के अनुसार शुक्रवार की शाम छत्तीसगढ़ के लिए एक्यूआई लगभग 110-150 के बीच रहा, जो खराब और स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाता है। इसका मतलब है कि हवा अभी सामान्य लोगों के लिए थोड़ा खराब हो सकती है, और सांस की समस्या वाले या संवेदनशील लोगों को बाहर निकलते समय सावधानी बरतनी चाहिए। वेबसाइट के अनुसार शनिवार को एक्युआई लगभग 119 जैसा राज्य स्तर पर भी रिपोर्ट हुआ है। कुछ लाइव डेटा स्रोत लगभग 148 (अपहेल्थी) तक भी दिखा रहे हैं।

पराली जलाने पर रोक राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल ने हरियाणा, पंजाब और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में पराली जलाने पर रोक लगाई है। छत्तीसगढ़ सरकार के आदेश के अनुसार, खेत में पराली जलाने पर वायु प्रदूषण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। पहली बार पकड़े जाने पर ?25,000 तक का जुर्माना या चेतावनी। बार-बार करने पर ?50,000-?1,00,000 तक का जुर्माना और/या 6 महीने तक की जेल हो सकती है।

बिलासपुर-चांपा सेक्शन में किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान

जांजगीर। बिलासपुर मंडल ने यात्रियों में टिकट नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से बिलासपुर एवं चांपा स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया।यह अभियान 8 जनवरी 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस. भारतीयन और सहायक वाणिज्य प्रबंधक डी.एस. चौहान के नेतृत्व में चले इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, टिकट निरीक्षक और टीटीई स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही। अभियान के दौरान दोनों स्टेशनों पर विशेष जांच की गई तथा इनके बीच चलने वाली 25 ट्रेनों में टिकटों की सघन जांच की गई। इस दौरान 634 मामलों में कुल 3,74,700 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसमें बिना टिकट यात्रा के 418 मामलों से 2,86,065 रुपये, अनियमित टिकट के 187 मामलों से 85,665 रुपये तथा बिना बुक किए गए लगेज के 29 मामलों से 2,970 रुपये शामिल हैं।

युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष आकाश का जांजगीर में किया सम्मान

जांजगीर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष आकाश सिंह के प्रथम जांजगीर आगमन पर जिला युवा मोर्चा द्वारा भव्य और ऐतिहासिक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे शहर में उत्साह, ऊर्जा और संगठनात्मक जोश का माहौल देखने को मिला।

जिला मुख्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने शारदा चौक, नेताजी चौक और कचहरी चौक में फूल-मालाओं, गगनभेदी नारों और आतिशबाजी के साथ जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान युवा मोर्चा के महामंत्री सोनू यादव, विवेक शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने आकाश सिंह को तलवार और गदा भेंट कर सम्मानित किया, जिसे शौर्य और संगठनात्मक दृढ़ता का प्रतीक बताया गया।

इसके बाद जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र देवांगन, प्रदेश उपाध्यक्ष अमन सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही जिला एवं मंडल स्तर के सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष आकाश सिंह ने कहा कि युवा मोर्चा भाजपा की रीढ़ है और युवाओं को संगठन से जोड़कर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कहा कि जिले की तीनों सीटों पर भाजपा को विजय दिलाना युवा मोर्चा की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर जिला महामंत्री नंदनी, नंद चौधरी, जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, जिला कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, विकास शर्मा, संदीप साहू, प्रदीप शराफ, मंडल अध्यक्ष हितेश यादव, संतोष थवाईत, धजा राम साहू उपस्थित थे।

बासीन के सचिव सस्पेंड हुए

मालखरौदा। जनपद पंचायत मालखरौदा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बासीन के सचिव भूपेंद्र दास मानिकपुरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके द्वारा शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, अनुशासनहीनता व उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने के कारण की गई है। निलंबन का आदेश छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1999 के नियम 4 के अंतर्गत पारित किया गया है। भूपेंद्र को 19 जून 2025 के तहत ग्राम पंचायत मिरौनी से स्थानांतरित कर ग्राम पंचायत बासीन में पदस्थ किया था। स्थानांतरण आदेश के बावजूद उनके द्वारा लगभग छह माह बीतने के बाद भी ग्राम पंचायत से संबंधित आवश्यक दस्तावेज, चेक पंजी, चेक बुक, पास बुक व अन्य सभी अभिलेखों का विधिवत प्रभार नहीं सौंपा। ग्राम पंचायत स्तर पर कई बार अवगत कराने के बाद भी सचिव ने गोल-मोल जवाब देकर प्रभार नहीं दिया। इस संबंध में जनपद पंचायत मालखरौदा ने कारण बताओ सूचना भी जारी की, लेकिन इसके बाद भी भूपेंद्र ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया और ना ही प्रभार हस्तांतरित किया। इससे ग्राम पंचायत के शासकीय कार्यों के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। , अनुशासनहीनता आचरण छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा शर्तें नियम, 1998 और सचिवों के कुकृत्य नियम, 1999 के स्पष्ट रूप से विपरीत पाया गया।

ग्राम पंचायत भिरई में मनाया गया रोजगार दिवस

पलारी। ग्राम पंचायत भिरई में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को वीबी जी राम जी, आवास योजना एवं आजीविका डबरी योजना के विस्तार से संबंधित पूर्व जानकारी दी गई। रोजगार दिवस के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सरपंच सनत कुमार सिन्हा, रोजगार सहायक शाहिद खान सहित समस्त पंच, मेट एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हरदीहा मरार पटेल समाज ने विधायक को टोकरी भेंट की

अकलतरा। ग्राम पड़रिया में हरदीहा मरार पटेल समाज द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शाकंभरी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। आस्था और उत्साह के इस संगम में क्षेत्रीय विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता और लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली।

महोत्सव का शुभारंभ माता शाकंभरी की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने माता की प्रतिमा के समक्ष माथा टेका और प्रकृति की प्रतीक हरी सब्जियों का भोग अर्पित किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा, माता शाकंभरी अन्न और हरियाली की देवी हैं। छत्तीसगढ़ में पटेल समाज द्वारा यह पर्व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है, जो हमें प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान सरपंच प्रेमसागर पटेल ने माता शाकंभरी के अवतार की कथा साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार अकाल के समय माता ने पृथ्वी पर जीवन बचाने के लिए सब्जियों की उत्पत्ति की थी।

इस दौरान समाज के पदाधिकारियों ने विधायक को सम्मान स्वरूप ताजी सब्जियों से भरी टोकरी भेंट की। कार्यक्रम में समाज के बुजुर्गों का भी सम्मान किया गया, जो नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास रहा। महोत्सव में सरपंच प्रेमसागर पटेल, दाउराम पटेल और सुंदरलाल पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

चोरी के 3 आरोपी के साथ गहने जब्त

रायगढ़। शहर में सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले तीन शातिर बदमाशों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात और अन्य कीमती सामान सहित कुल 5 लाख 16 हजार रुपए का माल बरामद किया।

पुलिस के अनुसार 27 दिसंबर को रामभांठा जवाहर नगर निवासी आशा भगत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 22 दिसंबर को घर में ताला लगाकर जशपुर गई थीं। 27 दिसंबर को जब वह लौटीं तो घर का मुख्य गेट और तीन आलमारियों के ताले टूटे हुए मिले। आलमारियों में रखे सोने-चांदी के जेवरात, स्मार्ट वॉच और एयरफोन गायब थे। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर सूचना मिली कि चोरी में जवाहर नगर के युवकों का हाथ है। पूछताछ में आरोपी विजय लकड़ा, अविनाश बरेठ और नवजोत सिंह ने चोरी की घटना को स्वीकार किया। पुलिस ने विजय लकड़ा के कब्जे से मंगलसूत्र, नेकलेस, कान की बाली, चांदी के पायल और बिछिया, अविनाश बरेठ से सोने की कान की बालियां और अन्य जेवरात और नवजोत सिंह के पास से कुल 5 लाख 16 हजार 248 रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने नकबजनी के दो मामलों को अंजाम दिया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

महिला व बच्चों की अश्लील वीडियो वायरल की, जेल

बाराद्वार। बाराद्वार थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर महिला और बच्चों की अश्लील वीडियो अपलोड कर वायरल करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह जानकारी थाना प्रभारी नरेन्द्र यादव ने दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में साइबर टीपलाइन पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई। पहले मामले में ग्राम रायपुरा निवासी अनिल कुमार साहू के खिलाफ फेसबुक पर अश्लील वीडियो अपलोड करने की शिकायत दर्ज हुई थी, जिस पर आईटी एक्ट और पाक्सो एक्ट के तहत मामला कायम कर उसे गिरफ्तार किया गया।

न्यायालय तहसीलदार कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

202512050600003
रा.प्र.क्र.-/अ-6/2025-26
ग्राम- बरबसपुर, प.ह.नं.-22

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आयुष अग्रवाल पिता श्री सजन अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी अग्रोहा मार्ग नजदीक फल गोदाम वार्ड कमाक 08 कोरबा तहसील व जिला कोरबा द्वारा ग्राम बरबसपुर प.ह.नं.22 रा.नि.म. दादरखुर्द स्थित भूमि ख.नं. 119/2, 318/1, 226/1, 226/5 226/23 कुल रकबा 0.295 हे. को खातेदार झाडूराम पटेल पिता स्व. मोहन वगैरह की ओर से आम मुख्तियार गजराज सिंह पिता रघुनाथ सिह जाति राजपूत निवासी काशीराम नगर कोसाबाड़ी कोरबा के माध्यम से पंजीकृत बैनामा विलेख दिनाक 04/01/2023 को क्रय करने पश्चात् उक्त भूमि को अपने नाम पर नामांतरण किये जाने बाबत् छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 109, 110 के तहत् इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या सस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 02/02/2026 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 05/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.-Q /ब-121/2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.नं.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामेश्वर पिता पहारू राम जाति मरार निवासी कोरबा तहसील कोरबा जिला कोरबा द्वारा अपने चाचा धनीराम का दिनांक 20.11.2020 को मृत्यु होने का उल्लेख करते हुए मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत् आवेदन पत्र मय दस्तावेज इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 23.01.26 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार एवं कार्यपालिक
दण्डाधिकारी, कोरबा (छ.ग.)

अनमोल वचन......

जब मैं जो हूँ उसे छोड़ देता हूँ, तो मैं वह बन जाता हूँ जो मैं हो सकता हूँ।

मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे

ट्रंप ने जिस तरह मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे पर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया!

डॉनल्ड ट्रंप अपनी खामख्यालियों में रहते हैं। आत्म-प्रशंसा में बहते हुए वे अपनी खूबियों का बखान तो करते ही हैं, दूसरों का अपमान करने की हद तक भी अक्सर जाते रहते हैं। इस दौरान वे सच-झूठ की फिक्र नहीं करते। बतौर के अपने दूसरे कार्यकाल में अपमान के तीर उन्होंने जिन निशानों पर बार-बार छोड़े हैं, उनमें भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हैं। दरअसल, भारत के मामले में बात सिर्फ जुबानी तीर की नहीं है। उन्होंने सबसे ज्यादा आयात शुल्क भारतीय वस्तुओं पर लगा कर अमेरिको को निर्यात से जुड़े देश के कारोबार को भारी क्षति पहुंचाई है। इसी तरह एच-1बी वीजा और स्टूटेंड वीजा के मामलों में उनके प्रशासन ने भारत के प्रति बेहद सख्त रुख अपनाए रखा है।

हैरतअंगेज ही है कि अपनी प्रतिष्ठा को लेकर अति संवेदनशील रहने वाली मोदी सरकार ने ट्रंप के हमलों पर चुप्पी साधे रखी है। मगर अब पानी सिर के ऊपर से गुजर रहा है। अपने ताजा बयान में जिस तरह उन्होंने मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे को लेकर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। बिना तथ्यों की जांच किए उन्होंने 68 हेलीकॉप्टरों का जिक्र किया, जबकि भारत ने 28 हेलीकॉप्टर खरीदने का सौदा ही किया है और उनकी जल्द डिलीवरी कराने में ट्रंप का कोई योगदान नहीं है। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया!

इस चुप्पी के पीछे अगर गणना यह है कि इससे ट्रंप खुश होंगे और भारत से अनुकूल व्यापार समझौता कर लेंगे, तो ऐसी कोई उम्मीद निकट भविष्य में पूरी होती नहीं दिखती। इसलिए अब चुप्पी तोड़ने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी की ट्रंप से कितनी गहरी व्यक्तिगत दोस्ती है, यह देशवासियों को नहीं मालूम। यह जानने में उनकी दिलचस्पी भी न्यूनतम है। मगर मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। वे भारत की संप्रभुता का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में विदेशी राजनेता द्वारा उनका हर अपमान भारत का अपमान बन जाता है। हर भारतवासी को इससे मतलब है। इसीलिए ये मांग प्रासंगिक है कि अब मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे।

राशिफल

मेष राशि-आज प्रमोशन होने का योग बन रहा है आज का दिन सार्थक रहेगा। आज आपका अधिकतर समय बच्चों के साथ बीतेगा। बच्चों के साथ मॉल में शॉपिंग करने भी जा सकते हैं। आज अचानक किसी करीबी रिश्तेदार का घर पर आने की उम्मीद है। जिसके कारण घर का माहौल खुशनुमा हो जायेगा।

वृष राशि - आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होगी आज का दिन खुशनुमा रहेगा। बाहर के खुशनुमा मौसम का आनंद लेना आपके लिए काफी लाभदायक रहेगा। दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा सकते है। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होगी, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपके बच्चें आपको गौरवान्वित करेंगे।

मिथुन राशि - अच्छी कमाई होने के योग बन रहे है आज आपका का दिन नयी ऊर्जा से भरपूर रहेगा। दुकानदारों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। अच्छी कमाई होने के योग बन रहे है। संगीत से जुड़े लोगों को आज किसी फिल्म इंडस्ट्री से गाने का ऑफर मिल सकता है।

कर्क राशि - किसी काम की शुरूआत करें सफलता मिलनी तय है आज का दिन सामान्य रहेगा। साथी को खुश करने के लिए कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। आप आज जितना हो सकें सीनियर्स की राय लेकर ही किसी काम की शुरूआत करें सफलता मिलनी तय है। ऑफिस में आज आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

सिंह राशि - आज एक बड़ी डील मिल सकती है आज आपका दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको कई बड़े फायदे होंगे। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन शुभ है। गणेश जी की प्रतिमा को ऑफिस में रखने से आज एक बड़ी डील मिल सकती है, साथ ही आप जो भी चाहते है वो काम भी पूरे हो जायेंगे।

कन्या राशि - जो भी फैसला करेंगे, वह आपके लिए फायदेमंद हो सकता है आज आपके मन में नए - नए विचार आएंगे। आज आप नया कार्य करने की सोचेंगे। हालांकि उसमें आपको सफलता भी मिल सकती है। आज आपकी ईमानदारी के कारण आपको जीवनसाथी और परिवारजनों का स्नेह प्राप्त होगा।

तुला राशि - वाहन खरीदने का भी मूड बना सकते हैं आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। कई तरह की जिम्मेदारियां भी पूरी हो सकती है। अपनी मिलनसार व्यवहार से आपको सफलता मिलने के योग हैं। मन में किसी तरह की उत्सुकता भी हो सकती है। आपका रवैया दूसरों के लिए उदार वादी रह सकता है।

वृश्चिक राशि - रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपके रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। आज सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का प्रमोशन हो सकता है। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी विदेश यात्रा भी हो सकती है। जिससे आप थकान महसूस करेंगे।

धनु राशि - कार्य सफल होने से प्रसन्नता मिलेगी आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज अनुभवी लोगों के साथ रहकर बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इस राशि की महिलाएं आज आप घर में कीर्तन का आयोजन भी कर सकती हैं। पड़ोसियों के साथ मंदिर जाने की का प्लान बना सकते है।

मकर राशि - आपकी बौद्धिक क्षमता आज आपको सफलता जरूर दिलाएगी आज आपका दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आप जिस काम को करें उसे पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। आज आपसे कई लोग मदद भी ले सकते हैं। आज आप लोगों को जरूरत के अनुसार ही सलाह दें। आज आप राजकीय कामकाज में उलझे रह सकते हैं।

कुम्भ राशि - बिजनेस में तरक्की के लिए नये रास्ते खुलेंगे आज के दिन आपका आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। इस राशि वाले लोगों को बिजनेस में तरक्की के लिए नये रास्ते खुलेंगे। आज वाहनों को सावधानीपूर्वक चलाये। आज आपके जीवनसाथी के ननिहाल से बड़ी खुशखबरी आ सकती है। आज आपके रुके हुए काम पूरे होने के असार है।

मीन राशि - आर्थिक स्थिति आज पहले से अच्छी रहेगी आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपका कर्म प्रधान बनेगा और आप अपनी ऊर्जा का भरपूर इस्तेमाल करेंगे। आपको अपनी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। भूमि अथवा वाहन से संबंधित काम हो सकता है।

मिथ्या चेतना का दर्शनशास्त्र

//हरदीप एस पुरी//

भारत में 2026 के आरंभ में सार्वजनिक बहस नववर्ष के अनुशासन के साथ शुरू होनी चाहिए। हमें पड़ताल और तीखी आलोचनाओं का भी स्वागत करना चाहिए। लेकिन इस बात पर भी जोर देना चाहिए कि बहस के साथ जवाबदेही शामिल हो। कुल 1.4 अरब की आबादी वाले गणराज्य को निराशावाद से नहीं सुधारा जा सकता। रोजगार, उत्पादकता, निर्यात और समावेशन सबसे अच्छे समय में भी आसान नहीं होते। प्रगति डिजाइन, क्रियान्वयन, सुधार और परिमापन के नीरस मेल से आती है। नया साल निराशावाद को संशयवाद से अलग करने का भी क्षण है।

फ्रेडरिक नीत्शे ने 'बेयांड गुड एंड ईवल' में लिखा हैः 'दार्शनिक को सिर्फ आलोचक या दर्शक होने के बजाय मूल्यों का सर्जक होना चाहिए। उसे तत्वचिंतन जीवन के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके नजरिए से करना चाहिए।' लोकनीति में इसी तरह के दृष्टिकोण की दरकार है। आलोचनाओं का स्वागत है। मगर ये साक्ष्य तथा एक जटिल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र का शासन चलाने की ज्वलंत बाधाओं से आबद्ध होनी चाहिए। जब संशयवाद एक भंगिमा बन जाए तो यह सुधार संभव बनाने वाली संस्थाओं में विश्वास को खत्म करता है।

पिछले वर्षों में टिप्पणी की एक नई विधा सामने आई है। यह संदेह को सुसंस्करण के तौर पर पेश करती है। यह सुधार के कार्य को मजाक में तब्दील कर देती है। यह हर अपूर्ण परिवर्तन को स्थाई नाकामी के सबूत के तौर पर लेती है। यह एक चिरपरिचित सांत्वना पेश करती हैः भारत कदाचित अपने ही नीति निर्माताओं से अभिशप्त है। इस दृष्टिकोण के अपने नतीजे हैं। यह आंकड़ों और बाजारों में विश्वास को घटाता है। यह उद्यमियों और निवेशकों में नियतिवाद को प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह बाहरी ताकतों को वार्ताओं में भारत को दबाव में लाने के लिए तैयार कथानक भी प्रदान करता है। विशेषज्ञता को तथ्यों के प्रति जवाबदेह बने रहना चाहिए।मजबूत पेशेवर और शैक्षिक पृष्ठभूमि का दंभ भरने वाले कुछ टिप्पणीकारों का इस तरह की भंगिमा का सहारा लेना चिंता की बात है। इनमें से कुछ ऐसे टिप्पणीकारों को मैं जानता हूं जिनकी पहचान और विश्वसनीयता भारत पर आधारित है। लेकिन वे संभवतः ध्यानाकर्षण या अब सरकार का हिस्सा नहीं होने के बावजूद प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए देश के खिलाफ अनाप-शनाप बोल कर अपना कॅरियर बनाने की कोशिश में लगे हैं। उनका यह आरोप कि भारत के आंकड़े विशिष्ट तौर पर अविश्वसनीय हैं, हमारी विकास की दिशा के साथ मेल नहीं खाते। माल और सेवा कर (जीएसटी) के अंतर्गत टैक्स संग्रह में जो वृद्धि हुई और इसने अनुपालन की जिस संस्कृति को पैदा किया है वह एक दशक पहले नहीं थी। वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। यानी औसतन प्रति माह 1.8 लाख करोड़ रुपए जीएसटी का संग्रह किया गया। डिजिटल भुगतान ने वित्तीय प्रदर्शन का एक और निशान छोड़ा है। नवंबर 2025 में यूपीआई के जरिए 26 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम के 20 अरब लेन-देन किए गए। ये वृहत और परखे जाने योग्य आंकड़े परिमापन, सत्यापन और तौरतरीकों में सुधार के लिए संभावना का विस्तार करते हैं।कल्याण और समावेशन में परिमापित परिणाम इस नियतिवाद की और हवा निकाल देते हैं। नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के अनुसार 2013-14 और 2022-23 के बीच लगभग 24 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए। अब बहुआयामी निर्धनता लगभग 30 प्रतिशत से घट कर तकरीबन 11 प्रतिशत रह गई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से डिलीवरी दुरुस्त हुई है। वर्ष 2025 में 45 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण हुआ। डीबीटी काल में धन के अपव्यय में कमी के जरिए 3.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की बचत हुई। वित्तीय समावेशन 56 करोड़ से ज्यादा जन धन खातों के साथ अब सार्वजनिक अवसंरचना बन गया है। वित्तीय अनुशासन में सुधार के प्रभाव अब दिखाई देने लगे हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल गैरनिष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2018 में 11.2 प्रतिशत से घट कर 2025 में 2.1 प्रतिशत रह गई है। यह सिर्फ खयाली पुलाव बनाने से नहीं हुआ। यह बैलेंस शीट्स की लगातार सफाई, सख्त निगरानी और एक ऐसे तंत्र को प्रतिबिंबित करता है जिसने सदाबहार ऋण और गुप्त हानियों की गुंजाइश को समय के साथ घटाया है। जब आलोचक कहते हैं कि शासन सुधार नहीं कर सकता तो यह आडंबरहीन कायाकल्प उनके लिए पहला जवाब है। भारत बड़े पैमाने पर निर्माण नहीं कर सकता यह आरोप लगाने वाले मैन्युफैक्चरिंग परिवेश में हुए बदलावों को नज़रअंदाज़ करते हैं। उत्पादन-से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) कार्यक्रम के तहत, 14 क्षेत्रों में 2 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश हुआ है जिससे 18 लाख करोड़ रूपए से ज़्यादा का अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री हुई और 12 लाख से ज़्यादा लोगों को रोजगार मिला है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र इसका सबसे सटीक उदाहरण है। साल 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक्स का कुल उत्पादन 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुँच गया। इसमें अकेले मोबाइल फोन का उत्पादन 5.5 लाख करोड़ रुपये रहा और मोबाइल का निर्यात लगभग 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया। ये दुनिया के सबसे कठिन क्षेत्र के बाजार की परीक्षा है जिसमें भारत सफल रहा है। व्यापार में आपकी पकड़ बेहतर प्रदर्शन और निरंतर टिके रहने से बनती है, न कि केवल निराशा जताने से। साल 2024-25 में सामान और सेवाओं का कुल निर्यात 825 अरब अमरीकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। टैरिफ और संरक्षणवादी प्रतिक्रियाओं की इस दुनिया में साझेदार आपकी क्षमता के आधार पर फैसला करते हैं।

भारत की स्थिति तब और मजबूत होती है जब दुनिया उसे एक ऐसे बाजार के रूप में देखती है जो बड़े पैमाने पर उत्पादन करता है और खरीदता भी है और अब देश ज़रूरी क्षेत्रों में भरोसेमंद तरीके से अलग-अलग तरह की आपूर्ति कर सकता है। घरेलू सुधार और बाहरी दुनिया से जुड़ाव मिलकर भारत को मजबूत बनाते हैं और यही मजबूती हमें व्यापार के क्षेत्र में और मजबूत बनाती है। किसी भी देश की प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति केवल एक योजना या एक मंत्रालय से नहीं आती, बल्कि यह बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और प्रशासनिक सुधारों के मिले जुले प्रभाव का परिणाम होती है। भारत में यह सुधार औद्योगिक गलियारों, मालगाड़ियों की बेहतर कनेक्टिविटी, बंदरगाहों के बेहतर जुड़ाव और एक साथ काम करने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं, जिससे समय की बचत होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि सभी बाधाएं खत्म हो गई हैं बल्कि महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने अब व्यवस्था बनाने, प्रक्रियाओं को आसान बनाने और बड़े पैमाने पर परिणाम देने की अपनी क्षमता को साबित किया है।

सही तरीके से काम करने से उत्पादकता हफ्तों में नहीं बढ़ती बल्कि इसमें कई वर्ष लग जाते हैं।कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में कमियां गिनाना और यह मान लेना आसान है कि कुछ भी ठीक नहीं हो सकता। अब नीति का रुख बदल गया है। अब सरकार का ध्यान सीधे तौर पर मदद पहुँचाने और ऐसी संपदा बनाने पर है, जो उत्पादकता और सम्मान दोनों बढ़ाती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 12.5 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में नल से पानी का कनेक्शन पहुँचाया गया है। इससे न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ है, बल्कि परिवारों पर पानी भरने के बोझ कम हुआ है और समय की बर्बादी भी कम हुई है। विकास के लाभ सब तक पहुँचने की कहानी स्वास्थ्य, आवास और ऊर्जा के क्षेत्र में भी दिखाई देती है।

आखिरकार 2025 में श्रम अधिशेष का लाभ उठाने में सक्षम हो सका भारत

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से 20वीं सदी के उत्तरार्ध तक, भारत सुरक्षित अर्थव्यवस्था के अनुरूप कड़े नियंत्रित श्रम ढाँचे के तहत काम करता रहा। यहाँ तक कि उदारीकरण के बाद भी यह ऐसा क्षेत्र था, जिसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इसका स्पष्ट परिणाम यह हुआ कि श्रम-अधिशेष वाले देश में भी कंपनियाँ श्रम-प्रधान निवेश से बचती रहीं।

श्रम के व्यापक उपयोग में बाधा बन रहे श्रम कानून के इस असंतुलन को आखिरकार 2025 में सुधारा गया। अंततः श्रम सुधारों और वीबी-जी राम जी के लागू होने से भारत के लिए अब यह संभव हो गया है कि वह शहरी और ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों में अपने श्रम अधिशेष को औपचारिक अर्थव्यवस्था में समाहित कर सके। श्रम कानून, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और उद्यम नीति पहली बार एक ही दिशा में काम कर रहे हैं। इसकी बदौलत भारत एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो औपचारिक रोजगार तथा उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाते हुए श्रमिकों को भी सुरक्षा प्रदान करती है।

चलिए, उन देशों से शुरुआत करते हैं, जिन्होंने भारत जैसी ही चुनौती –श्रम के अधिशेष का सामना किया। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया ने श्रमिकों को बड़े पैमाने के विनिर्माण में समाहित करने के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूर्वानुमेय और अनुपालन को प्रबंधनीय बनाते हुए श्रम कानून बनाए। भारत ने इसके उलट रास्ता अपनाया। उसने अनुमतियों और जुर्मानों की एक जटिल भूलभुलैया खड़ी कर दी, जिसने श्रम-प्रधान निवेश को हतोत्साहित किया और कंपनियों को अनौपचारिकता की ओर धकेल दिया।शहरी और ग्रामीण, दोनों श्रम बाज़ारों में रुख अब बदल गया है। भारत ने 29 श्रम क़ानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करते हुए अपने समकक्ष देशों की तुलना में अनुपालन को कहीं अधिक सरल बना दिया है। उसने अपने श्रमिक संरक्षण के स्तर को समकक्ष देशों के बराबर रखा है, और भर्ती में लचीलेपन के मामले में वह उनसे आगे बढ़ गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में, मनरेगा से विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) की दिशा में बदलाव ने रोजगार को उत्पादकता से जोड़ दिया है। इसमें बुआई और कटाई के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों का विराम शामिल है, ताकि खेतिहर श्रमिकों की कमी न हो और कार्य को टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ा गया है। इसके परिणामस्वरूप एक ऐसी श्रम व्यवस्था बनी है, जो चीन, वियतनाम या इंडोनेशिया की तुलना में निवेश के लिए अधिक तैयार है, जिसमें कारखानों से लेकर खेतों तक पूरे श्रम तंत्र में अनुपालन में सुगमता, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और बिना सुरक्षा मानकों को कमजोर किए बड़े पैमाने पर भर्ती की क्षमता मौजूद है।

लगभग 100 श्रमिकों वाली एक छोटी विनिर्माण इकाई की कल्पना कीजिए। वर्षों तक, विकास के साथ चिंता भी जुड़ी रही। कुछ अतिरिक्त श्रमिकों को नियुक्त करने का मतलब था–श्रम कानूनों की जटिल भूलभुलैया से गुजरना, कई तरह के पंजीकरण कराना, मोटे-मोटे रजिस्टर बनाना, अलग-अलग प्राधिकरणों की निरीक्षण कार्रवाइयों का सामना करना, और इस बात का जोखिम उठाना कि कोई मामूली सी प्रक्रियागत चूक भी आपराधिक दायित्व को दावत दे सकती है। लिहाजा, कई व्यवसाय एक ही निष्कर्ष पर पहुँचे। विस्तार करने की बजाय छोटा, अनौपचारिक और कम श्रमिकों के साथ बने रहना ही अधिक सुरक्षित है। यह मानसिकता 2025 में बदलनी शुरू हुई। 29 केंद्रीय श्रम क़ानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करने से व्यवस्था नियामकीय अव्यवस्था से निकलकर स्पष्टता की ओर बढ़ी। एकल पंजीकरण, लाइसेंस और रिटर्न के माध्यम से अनुपालन को सरल बनाया गया है; अब निरीक्षण दोष खोजने के बजाय सहयोग और सुविधा प्रदान करने लगे हैं; और सामान्य, रोज़मर्रा की त्रुटियाँ अब आपराधिक दंड को आमंत्रित नहीं करतीं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सरलीकरण श्रमिक के अधिकारों की कीमत पर नहीं हुआ है। मज़दूरी संरक्षण को सार्वभौमिक बनाया गया है, लैंगिक समानता को क़ानून में अंतर्निहित किया गया है, सामाजिक सुरक्षा का दायरा गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों तक बढ़ाया गया है, और प्रवासी श्रमिकों को पोर्टेबिलिटी का लाभ मिला है। अब औपचारिक रूप से श्रमिकों को नियुक्त करना किसी जोखिम को संभालने जैसा नहीं, बल्कि भरोसे के साथ उठाया जाने वाला कदम बन गया है–जिससे विकास, सुरक्षा और विस्तार तीनों एक साथ संभव हो पाए हैं।

उद्यमों को बढ़ने और कर्मचारियों को नियुक्त करने में सक्षम बनाना कई वर्षों तक, विकास करना ही अपने आप में एक प्रकार का दंड था। किसी विनिर्माण कंपनी की कल्पना कीजिए, जो बड़े पैमाने पर पहुँचने की कोशिश कर रही हो। जैसे ही उसकी चुकता पूँजी 4 करोड़ रुपये को पार करती थी, वह अपनी लघु कंपनी के दर्जे को खो देती और उसी समय अधिक श्रमिकों को नियुक्त करने की आवश्यकता के बीच अनिवार्य कैश-फ्लो स्टेटमेंट, अतिरिक्त बोर्ड और ऑडिट आवश्यकताएँ, और कंपनी रजिस्ट्रार के पास विस्तृत वार्षिक फाइलिंग –जैसे भारी अनुपालनों में उलझ जाती। इसका जवाब कई व्यवसायों ने आकार को सीमित रखकर, संचालन को विभाजित करके या अनौपचारिक बने रहकर दिया।

यह स्थिति 2025 में बदल गई। अब कंपनियाँ 10 करोड़ रुपये तक की चुकता पूँजी के साथ लघु कंपनी की श्रेणी में बनी रह सकती हैं, जबकि एमएसएमई निवेश सीमा 2.5 गुना और टर्नओवर सीमा 2 गुना बढ़ा दी गई है। विकास अब अनुपालन संबंधी आघात का कारण नहीं बनता; बल्कि औपचारिकीकरण, विस्तार और नई भर्ती के लिए अवसरों का सृजन करता है, जो उद्यम आधारित रोजगार सृजन को नियामकीय जोखिम के स्थान पर समझदारी भरा विकल्प बनाता है।वर्षों तक, श्रम कानून औपचारिक भर्ती को हतोत्साहित करते रहे, क्योंकि नियोक्ता पूर्ववर्ती दायित्व, पिछली तिथियों के बकाया भुगतान, और यहाँ तक कि कर्मचारी के पूर्व नियोक्ता से जुड़ी चूक के लिए भी दंडात्मक हर्जाने के जोखिम के कारण अक्सर कर्मचारियों को भविष्य निधि में नामांकित करने से बचते थे।इस अनिश्चितता ने औपचारिक रोजगार को जोखिमपूर्ण बना दिया था, जबकि कड़े निकासी नियमों के कारण कर्मचारी संकट के समय अपनी बचत तक पहुँच नहीं पाते थे। 2025 में यह स्थिति बदल गई, जब कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने पहले शामिल न किए गए श्रमिकों के लिए बिना पिछली देयताओं या जुर्माने के एक बार के नामांकन की अनुमति दी और निकासी प्रक्रिया को सरल बनाया। पात्रता अवधि 12 महीने मानकीकृत कर दिए जाने और कुल कोष का 75 प्रतिशत तक निकालना संभव हो जाने से, इन सुधारों ने नियोक्ताओं के लिए भर्ती जोखिम कम कर दिया है और औपचारिकीकरण की प्रक्रिया को तेज़ कर दिया। ग्रामीण रोजगारः 2047 की अर्थव्यवस्था के लिए 2005 के ढाँचे को अद्यतन करना2025 के दूसरे प्रमुख श्रम सुधार ने विपक्ष को गलत कारणों से गुस्से से भर दिया। किसी ने यह नहीं कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण आय बढ़ाने में मदद नहीं की, लेकिन यह भी स्पष्ट था कि इसने टिकाऊ परिसंपत्तियाँ नहीं बनाई और तेजी से बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल नहीं कायम किया।

2005 में जब यह योजना शुरू हुई थी, तो ग्रामीण भारत में 5 में से 2 से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे थे; आज यह संख्या 50 में से 2 से भी कम रह गई है–यानी इसमें दस गुना कमी आई है। साथ ही, मनरेगा के तहत किए जाने वाले कार्यों ने बुआई और कटाई के चरम मौसम में कृत्रिम श्रम संकट पैदा किया और किसानों की लागत बढ़ा दी। इन बदलावों ने इस सुधार को अनिवार्य बना दिया। इस पृष्ठभूमि में, विकसित भारत-गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 एक निर्णायक पुनःस्थापना का प्रतिनिधित्व करता है। कानूनी गारंटी अब 125 दिनों तक बढ़ा दी गई है, लेकिन नए कानून में बुआई और कटाई के मौसम में 60 दिनों का विराम रखा गया है, ताकि किसानों की श्रम तक पहुँच सुनिश्चित हो सके। यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ परिसंपत्तियों का वास्तव में सृजन सुनिश्चित करते हुए जल सुरक्षा, मूलभूत ग्रामीण अवसंरचना, रोज़गार-संबंधी अवसंरचना और आपदा से होने वाली हानि को कम करने के उपायों जैसे चार प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है। सभी निर्मित परिसंपत्तियाँ विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक में एकत्र की जाती हैं, जिससे संगठित और समन्वित राष्ट्रीय विकास रणनीति सुनिश्चित होती है।

तस्वीरों की दुनिया

बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 ने मनाया 25वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए नेशनल सिक्योरिटी गार्ड के नेशनल आईईडी डेटा मैनेजमेंट सिस्टम का उद्घाटन किया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में कृषि भवन में फिजी के कृषि और जलमार्ग मंत्री टोमासी टुनाबुना से मुलाकात की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के साथ जम्मू और कश्मीर पर एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

सीएम धामी ने सुन्दरलाल बहुगुणा की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मुख्यमंत्री ने किया 'शीतलहर पूर्व तैयारी' विषय पर कार्यशाला का शुभारंभ ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी के ग्राम बहरी में विभिन्न विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम में विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

बांग्लादेश में सांप्रदायिक घटनाओं से सख्ती से निपटने की जरूरत भारत ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को बताया अवैध

नईदिल्ली, 10 जनवरी [एजेंसी]।

भारत ने बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों पर हमलों से सख्ती से निपटने का आग्रह किया और इन घटनाओं को बाहरी कारणों से जोड़ने के प्रयासों को चिंताजनक बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम चरमपंथियों द्वारा अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनके घरों और व्यवसायों पर हमलों का एक सिलसिला देख रहे हैं। ऐसी सांप्रदायिक घटनाओं से तेजी से और सख्ती से निपटने की जरूरत है। साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में जायसवाल ने न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी द्वारा दिल्ली दंगे के आरोपित उमर खालिद के नाम पत्र लिखने पर असहमति जताई और कहा कि जन प्रतिनिधियों को अन्य लोकतांत्रिक देशों में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करना चाहिए। भारतीय मूल के ममदानी ने पिछले महीने अमेरिका में उमर खालिद के माता-पिता से मुलाकात के दौरान उसके नाम एक हस्तलिखित पत्र सौंपा था। आईएएनएस के अनुसार, दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला की राजनीतिक स्थिति को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर जायसवाल ने कहा कि भारत क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। सरकार वेनेजुएला और पड़ोसी कोलंबिया में रहने वाले भारतीय समुदाय को सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है।

ईरान की स्थिति के बारे में जायसवाल ने कहा कि वहां की घटनाओं पर भारत बारीकी से नजर रख रहा है। एएनआई के अनुसार, ताइवान के आसपास चीन के हालिया सैन्य अभ्यासों के मद्देनजर जायसवाल ने सभी पक्षों से संयम बरतने और विवादों को शांतिपूर्ण तरीकों से हल करने का आग्रह किया। रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रविधान करने वाले अमेरिकी विधेयक के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि हम प्रस्तावित बिल से अवगत हैं। हम 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न स्त्रोतों से सस्ती ऊर्जा प्राप्त करने का प्रयास करते रहेंगे। रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जार्ज ने शुक्रवार को आयरलैंड के न्याय, गृह मामलों और प्रवासन विभाग में राज्यमंत्री कोल्म ब्रोफी से मुलाकात की। उन्होंने व्यापार एवं अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे से क्या होगा? यूएस ने बताया यूरोप के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली। डेनमार्क के अंतर्गत आने वाले स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जे की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंशा को अब अमेरिका दूसरे रूप में समझाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण को यूरोप की सुरक्षा के लिए लाभदायक बताया है। नाटो के महासचिव मार्क रूट से वार्ता में रूबियो ने कहा, ग्रीनलैंड रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भूभाग है। इसके आसपास चीन और रूस अपनी गतिविधियां बढ़ा रहे हैं। इसलिए वहां पर अमेरिका की मौजूदगी जरूरी है। इसीलिए अमेरिका ग्रीनलैंड पर नियंत्रण चाह रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने यह बात डेनमार्क की प्रधानमंत्री के साथ ही कई यूरोपीय नेताओं के ग्रीनलैंड मसले पर चिंता जताने पर कही है।मामले में इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता कि अमेरिका केवल सैन्य कारणों से ग्रीनलैंड का नियंत्रण प्राप्त करना चाहता है। उन्होंने कहा, अमेरिका की क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर जो चिंताएं हैं उन्हें नाटो सैन्य गठबंधन को मजबूत करके खत्म किया जा सकता है।

पढ़ाई में तेज था दोस्त, तो जलन में जिंदा जलाया मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज में रूह कंपा देने वाली वारदात!

मुरादाबाद। हिंदू कालेज के छात्र फरहाद पढ़ने में बहुत अच्छा था। उसके हमेशा अधिक नंबर आते थे, इसी बात से आरोपित ईर्ष्या रखते थे। इसी के चलते आरोपितों ने छात्र को जिंदा जलाने का प्रयास किया। छात्र में आग लगाने के बाद मोबाइल से वीडियो बनाने का भी प्लान आरोपितों का था, लेकिन आरुष उर्फ अनुराग तो भाग गया और दीपक उसे उपचार के लिए ले गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ जानलेवा हमले की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपितों ने पेट्रोल डालकर छात्र को आग लगाई थी। सिविल लाइंस के हरथला निवासी नवाब अली का बेटा फरहाद अली हिंदू कालेज में बीकाम का छात्र है। नवाब अली ई-रिक्शा चलाते हैं। फरहाद गुरुवार को 11 बजे वह बीकाम थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा देने पहुंचा था। फरहाद ने हिंदू कालेज में पहली मंजिल के कक्ष संख्या 53 में परीक्षा दी थी। करीब एक बजे परीक्षा छूटने के बाद फरहाद अपने अन्य साथियों के घर लौट रहा था।

जब वह अपने कक्ष से निकलकर कक्ष संख्या 42 के सामने पहुंचा तो आरुष उर्फ अनुराग और दीपक ने बोतल में लेकर आए पेट्रोल फरहाद के ऊपर पर डाल दिया और लाइटर से आग लगा दी थी। इससे छात्र करीब आठ प्रतिशत झुलस गया था। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।उधर पुलिस ने छात्र के पिता नवाब अली के शिकायती पत्र पर आरुष उर्फ अनुराग रेलवे कालोनी चंदन नगर सिविल लाइंस, दीपक निवासी गोविंद नगर कटघर के खिलाफ जानलेवा हमले की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस ने दोनों को रात में ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि फरहाद अली पढ़ाई, लिखाई में काफी अच्छा है हमेशा हम लोगो से ज्यादा नंबर लाता है। इसी बात को लेकर हम दोनों उससे ईर्ष्या करते हैं। इस समय इंस्टाग्राम में एक ट्रेंड काफी चल रहा है जिसमे तेल डालकर आग लगा देते है तथा आग नही लगती। हम लोगों ने सोचा कि ऐसी ही एक वीडियो बनाएंगे और फरहाद अली के ऊपर पेट्रोल डालकर उसे जला देंगे।

सिख धर्मगुरुओं के अपमान को लेकर एमसीडी सदन में हंगामा, भाजपा और आप ने लगाए एक-दूसरे पर आरोप

नई दिल्ली। सिख धर्मगुरुओं के अपमान को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी में चल रही आरोप-प्रत्यारोप की लड़ाई एमसीडी में भी पहुंच गई। मामला इतना बढ़ गया कि महापौर के कार्यालय का गेट तोड़ने की कोशिश में जुटे आप पार्षदों को रोकने के पुलिस भी बुलाई पड़ गई। एमसीडी सदन की बैठक में भाजपा पार्षदों ने जहां आतिशी पर सिख गुरुओं के अपमान का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। जवाब में आप पार्षदों ने भी दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ नारेबाजी की।हंगामे के चलते पहले बैठक को 10 मिनट के लिए स्थगित किया गया। वहीं, पुनः शुरू हुई बैठक में कांग्रेस पार्षद नाजिया ने तुर्कमान गेट पर अतिक्रमण के खिलाफ हुई कार्रवाई पर चर्चा की मांग की। महापौर ने चर्चा की अनुमति देने से इन्कार करते हुए कहा कि इस मामले को मनमाने ढंग से नहीं उठाया जा सकता है और चर्चा भेड़ बकरियों की तरह नहीं हो सकती।

इस पर कांग्रेस और आप के पार्षदों ने हंगामा और बढ़ा दिया।वहीं, हंगामा करते हुए पार्षद महापौर के आसन तक पहुंच गए। इस बीच 35 मिनट तक चली एमसीडी बैठक में बिना चर्चा के एजेंडे को पारित कर बैठक को स्थगित कर दिया गया। हालांकि बैठक स्थगित करने से पूर्व महापौर ने अपने शब्द वापस लेते हुए माफी मांग ली थी। बैठक स्थगित होने के बाद मामला और बढ़ गया। बैठक खत्म कर अपने कार्यालय में पहुंचे महापौर राजा इकबाल सिंह के दफ्तर पर आप पार्षदों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। कांफ्रेंस रूम के गेट को भी तोड़ने की कोशिश आप पार्षदों ने की। मामला बढ़ते देख महापौर कार्यालय की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने महापौर कार्यालय की सुरक्षा अपने कब्जे में ले ली। इस बीच नेता सदन प्रवेश वाही ने भी गुरुओं का अपमान का आरोप आप नेता आतिशी पर लगाते हुए निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया।बैठक के बाद महापौर ने आप और कांग्रेस द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ हुई कार्रवाई पर एकजुट होने का आरोप लगाया। महापौर ने स्पष्ट किया है अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

युद्ध नशों विरुद्धः स्कूल बनेंगे नशों के खिलाफ पहला कवच, पंजाब में विद्यार्थियों को किया जाएगा जागरूक

चंडीगढ़। राज्य में चल रही 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत पंजाब सरकार ने नशे की समस्या की जड़ पर प्रहार करते हुए शिक्षा और रोकथाम पर केंद्रित एक व्यापक स्कूल-आधारित एक्शन प्रोग्राम लागू करने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य संवेदनशील युवा मनों की सुरक्षा करना है। मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में लागू की जा रही इस पहल में स्कूलों और शिक्षकों को नशों के विरुद्ध दीर्घकालिक लड़ाई में पहली पंक्ति के सुरक्षा कवच के रूप में तैयार किया जाएगा। शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं दिल्ली की शिक्षा क्रांति के प्रणेता श्री मनीष सिसोदिया के साथ, मोहाली के फेज़ 3बी1 स्थित स्कूल ऑफ एमिनेंस में 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के अंतर्गत चल रहे क्षमता निर्माण प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रिंसिपलों और शिक्षकों से संवाद करने पहुंचे। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की और उपस्थित शिक्षकों के साथ भविष्य की रणनीति साझा की।सरकार के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी देते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि जहां एक ओर नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है, वहीं वास्तविक और स्थायी जीत तभी संभव है जब किशोर पीढ़ी को नशों की चपेट में आने से पहले ही बचाव प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि इस निर्णायक युद्ध में शिक्षा और रोकथाम हमारे सबसे बड़े हथियार हैं। जागरूकता, नैतिकता और अनुशासन के माध्यम से युवा कोमल मनों की ऐसी बुराइयों से रक्षा करना ही पंजाब से नशों को समाप्त करने का टिकाऊ मार्ग है।शिक्षा मंत्री ने घोषणा की कि आगामी शैक्षणिक सत्र से पंजाब भर की सीनियर सेकेंडरी (ग्यारहवीं और बारहवीं) कक्षाओं में विद्यार्थियों को नशों के दुष्प्रभावों के बारे में विशेष रूप से तैयार किए गए पाठ्यक्रम के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संगठित हस्तक्षेप से विद्यार्थियों को आयु-उपयुक्त, तथ्यात्मक और नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा मिलेगी, जिससे वे सोच-समझकर जिम्मेदार निर्णय लेने में सक्षम होंगे। मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आगे बताया कि पंजाब सरकार मोहाली जिले से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रतिदिन ध्यान (मेडिटेशन) सत्र शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल में विद्यार्थी के दिन की शुरुआत में ही लगभग 30 मिनट का ध्यान सत्र कराया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों का मानसिक अनुशासन, भावनात्मक संतुलन और नैतिक स्तर सुदृढ़ होगा। यह बच्चों को नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए आंतरिक शक्ति प्रदान करेगा।

शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन की भूमिका पर बल देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रिंसिपलों और शिक्षकों की क्षमता निर्माण प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण एक अहम शुरुआत है। हम शिक्षकों को प्रारंभिक जोखिम के संकेत पहचानने, सावधानीपूर्वक हस्तक्षेप करने और बच्चों को नशों से दूर रखने के लिए तैयार कर रहे हैं। हमारा मिशन हर बच्चे की रक्षा करना और उन्हें इस लड़ाई का अग्रदूत बनाना है।मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने यह भी जानकारी दी कि प्रत्येक स्कूल में शिकायत-सह-सुझाव बॉक्स लगाया गया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी बिना अपनी पहचान उजागर किए अपने आसपास नशा बेचने वालों या उन्हें संरक्षण देने वाली भ्रष्ट प्रथाओं के बारे में जानकारी साझा कर सकेंगे। उन्होंने कहा, प्राप्त प्रत्येक सूचना/शिकायत का राज्य स्तर पर विश्लेषण कर त्वरित और स्वतंत्र रूप से कार्रवाई की जाएगी, ताकि जवाबदेही और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

जांच में पूरी तरह सहयोग करेगा आई-पैक ईडी की कार्रवाई से मचा है घमासान

नईदिल्ली, 10 जनवरी [एजेंसी]।

इंडियन पालिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि ईडी द्वारा कोलकाता स्थित उसके कार्यालय और निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी के दौरान संगठन ने पूर्ण सहयोग किया और कानून के अनुसार ऐसा करना जारी रखेगा। आई-पैक कानून का पूर्ण अनुपालन और सम्मान करते हुए प्रक्रिया में शामिल होगा। संगठन ने कहा, हमने अपने सभी कार्यों में पेशेवर ईमानदारी के उच्चतम मानकों को हमेशा कायम रखा है। कल जो कुछ भी हुआ, उसके बावजूद हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं कि हम बिना विचलित हुए और बिना चिंता के निरंतरता और जवाबदेही के साथ अपना काम जारी रखेंगे। आई-पैक ने दोहराया कि वह चुनाव नहीं लड़ता और न ही कोई राजनीतिक पद धारण करता है। उसकी भूमिका केवल पारदर्शी, पेशेवर राजनीतिक परामर्श तक सीमित है, जो किसी भी राजनीतिक विचारधारा से मुक्त है।

हर बूंद हो स्वच्छ अभियान का असर, दिल्ली विधानसभा में गंदे पानी पर बहस, 30-50 साल पुरानी पाइपलाइनें बनीं वजह

नई दिल्ली। हर बूंद हो स्वच्छ, हर घूंट हो स्वस्थ अभियान के तहत दिल्ली में गंदे पानी की जलापूर्ति को लेकर उठाए जा रहे मामले विधानसभा तक पहुंच गए। मालवीय नगर से विधायक सतीश उपाध्याय अपनी ही विधानसभा में गंदे जलापूर्ति की समस्या का उल्लेख करते हुए इसके समाधान की मांग की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मालवीय नगर विधानसभा में 10 साल से आप सरकार ने कोई कार्य नहीं किया, जिसका खामियाजा दिल्ली की जनता भुगत रही है। हालांकि, दिल्ली की गंदे जलापूर्ति का मामला केवल मालवीय नगर तक सीमित नहीं है। पूर्वी दिल्ली की बात करें तो पटपड़गंज के मंडावली स्कूल ब्लाक, चंद्र विहार, इंदिरा कॉलोनी जैसे इलाकों में गंदे पानी की बहुत बड़ी समस्या है। इसी प्रकार की स्थिति पूर्वी दिल्ली के ही मयूर विहार फेस 2 और फेस 3, लक्ष्मी नगर, शकरपुर, पांडव नगर, चिल्ला गांव, योजना विहार और आनंद विहार, जाफराबाद, मौजपुर, ब्रह्मपुरी, शास्त्री पार्क, भगवानपुर खेड़ा, वेस्ट अंगद नगर, राम नगर एक्सटेंशन और जगजीवन नगर जैसे इलाके गंदे पानी से जूझ रहे हैं। इसी प्रकार मध्य दिल्ली में पटेल नगर, बलजीत नगर और पुरानी दिल्ली का नबी करीम इलाका पानी की कमी और गंदे पानी की समस्या से ग्रसित है। दक्षिणी दिल्ली के साकेत, ओखला फेस 2, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, साउथ एक्सटेंशन जैसे इलाकों में भी गंदे पानी की समस्या है। किसी इलाके में लाइनों के क्षतिग्रस्त होना बडी वजह है तो कई इलाकों में सीवर ओवरफ्लो की वजह से यह समस्या है, जिसकी वजह से लोग स्वच्छ जल के लिए भटकते हैं।दिल्ली विधानसभा में मुद्दा उठाते हुए सतीश उपाध्याय ने कहा कि मालवीय नगर की कुछ कालोनियों में तीन साल से कई कॉलोनी में गंदा पानी आ रहा है।उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में आप सरकार द्वारा काम नहीं करने के कारण अब जनता इसका खामियाजा भुगत रही है।उन्होंने इसका कारण पानी की पाइप लाइन का पुराना हो जाना बताया है और इसे बदले जाने की जरूरत बताई है। उपाध्याय ने कहा कि पानी की लाइनें 30 से 40 साल और 50 साल पुरानी हैं। इसके साथ ही उन्होंने पानी के बंटवारे में असमानता होने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा किसी कॉलोनी में एक घंटे पानी आ रहा है तो किसी में वह भी नहीं आ रहा है इस पर भी ध्यान दिया जाए।

जयपुर में तेज रफ्तार ऑडी का कहर 16 को मारी टक्कर, एक की मौत

जयपुर, 10 जनवरी ।

एक तेज रफ्तार ऑडी कार शुक्रवार रात 16 लोगों को टक्कर मारने के बाद पलट गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन की हालत गंभीर है।पुलिस ने कार को जब्त किया है। कार में सवार चार लोग मौके से फरार हो गए जबकि भीड़ ने दो लोगों को पकड़ कर मारपीट की। पकड़े गए लोग नशे में बताए जा रहे हैं। हादसा रात करीब 10 बजे जयपुर के मानसरोवर इलाके में पत्रकार कालोनी के करीब हुआ। मुहाना के थाना अधिकारी गुरु भूपेंद्र सिंह ने बताया कि एक तेज रफ्तार ऑडी कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर उसने बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़े करीब एक दर्जन ठेलों को टक्कर मार दी। कार ने ठेलों के निकट खड़े 16 लोगों को चपेट में ले लिया। प्राथमिक उपचार के बाद 10 लोगों को सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाया गया। हादसे में मारे गए व्यक्ति की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। हादसे की सूचना मिलने पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खिंवसर और विधायक गोपाल शर्मा सहित कई अधिकारी सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे।

चंदौसी में 30 बंदरों की रहस्यमयी तरीके से मौत पहले नाक-मुंह से आया खून, फिर तोड़ा दम

संभल, 10 जनवरी [एजेंसी]।

आटा गांव में हुई बंदरों की मौत के राज से अभी पर्दा भी नहीं उठा कि अब चंदौसी शहर में बंदरों की रहस्यमयी मौत का सिलसिला शुरू हो गया है। पिछले 10 दिन में 30 से अधिक बंदरों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को भी छह बंदरों ने अज्ञात बीमारी से तड़प तड़पकर दम तोड़ दिया।मरने से पहले बंदरों में लगभग एक जैसे ही लक्षण दिखाई दे रहे हैं। जबकि एक दर्जन से अधिक बंदर मरणासन्न स्थिति में है और उपचार चल रहा है। सूचना पर पहुंचे सामाजिक लोगों ने मृत बंदरों को दफना दिया।चंदौसी के सीता रोड स्थित श्मशान में शुक्रवार की सुबह छह बंदर मृत अवस्था में पड़े मिले, जबकि कुछ बंदर मरणासन्न स्थिति में थे। इसकी जानकारी लोगों को हुई तो मौके पर भीड़ लग गई। शहर के मंतेश वार्ष्णेय, विनोद शर्मा, सचिन गुप्ता, अनुभव अन्नू, रघुवीर शरण आदि लोग पहुंच गए। उन्होंने तुरंत बंदरों की मौत की सूचना डिप्टी सीवीओ डा. अजय कुमार और वन विभाग को दी। साथ ही मरणासन्न बंदरों को संभालते हुए अलाव लगाकर राहत पहुंचाने का प्रयास किया। इसी बीच डिप्टी सीवीओ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बंदरों की स्थिति को देखा और तुरंत उपचार शुरू कराया।लोगों ने बताया कि 10 दिन में 30 से अधिक बंदरों की अज्ञात बीमारी से मौत हो गई है। सभी बंदरों में मरने से पहले एक जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। डिप्टी सीवीओ प्रथम दृष्टया मौत का कारण निमोनिया होना मान रहे हैं। हालांकि बंदरों का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है। उनका कहना है कि बीते दिनों गांव आटा में जो बंदर मरे थे, उनमें भी लगभग ऐसे ही लक्षण पाए गए थे। वहीं से मृत बंदर का पोस्टमार्टम कराया था। जिसकी रिपोर्ट अभी नहीं मिली है। वहां की रिपोर्ट आने पर बंदरों की बीमारी का कारण पता लगेगा।

चंदौसी में बंदरों की मौत की सूचना पर शुक्रवार की सुबह डिप्टी सीवीओ डा. अजय कुमार सीता रोड श्मशान पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने मृत बंदरों के शव पोस्टमार्टम के लिए नहीं भेजे।उन्होंने तर्क दिया कि जो स्थिति इन बंदरों की दिख रही है, वह बीते दिनों आटा गांव में दिखी थी। इस लिए वहां की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही बंदरों की मौत का कारण पता चल जाएगा।बीते माह बनियाठेर थाना क्षेत्र के आटा गांव में भी 30 से अधिक बंदरों की मौत अज्ञात बीमारी से हो गई थी। लेकिन अभी तक उनकी मौत का कारण पता नहीं लगा है। ग्रामीणों के अनुसार सभी बंदरों में मरने से पहले एक जैसे लक्षण थे।प्रशासन के संज्ञान में आने के बाद बंदरों के शव पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेजे गए थे। आठ जनवरी को रिपोर्ट आनी थी लेकिन, अभी तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है। पशुपालन विभाग अभी रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहा है।चंदौसी में जिन बंदरों की मौत हुई है या बीमार है उनमें मुख्य रूप से नाक और मुंह से खून आना, दस्त लगना, शरीर बेजान होना, पूंछ गिरना और शरीर के बाल खड़े होने जैसे लक्षण दिख रहे हैं। बदरों के बीमार होने की जानकारी गुरुवार की रात मिल गई थी।

यूपी में यहां बनेगा पटना जैसा गंगा रिवरफ्रंट! 3000 करोड़ की फोरलेन परियोजना से जुड़ेंगे प्रमुख घाट-मंदिर

कानपुर, 10 जनवरी [एजेंसी]।

गंगापथ परियोजना अब जमीन पर उतरने की दिशा में निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। अटल घाट से शुक्लागंज के पुराने गंगापुल तक प्रस्तावित आठ किमी लंबे फोरलेन गंगापथ को शासन से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है।करीब तीन हजार करोड़ की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार कराने के लिए 27 जनवरी को टेंडर फाइनल हो जाएगा। डीपीआर बनाने के लिए केडीए पांच करोड़ का बजट उपलब्ध कराएगा। इस परियोजना की जानकारी लेने के लिए सांसद रमेश अवस्थी के नेतृत्व में सेतु निगम, पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम ने गंगा नदी में स्टीमर से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने गंगा बैराज के अटल घाट, सरसैया घाट, रानीघाट, भैरोघाट, परमट घाट से लेकर पुराने गंगा पुल तक पूरे प्रस्तावित कारिडोर को देखा।निरीक्षण के दौरान वीआइपी रोड को गंगापथ से जोड़ने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों के अनुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद डीपीआर बनाने से पहले विस्तृत तकनीकी अध्ययन किया जाएगा।

इसमें भूवैज्ञानिक परीक्षण, पर्यावरणीय मूल्यांकन, गंगा किनारे की मिट्टी की क्षमता, तट संरक्षण, संभावित पिलर लोकेशन, अप्रोच रोड, इंटरचेंज, कर्व और लिंक रोड के साथ-साथ घाटों के बीच सुरक्षित कनेक्टिविटी जैसे बिंदुओं को शामिल किया जाएगा। इंजीनियरों का कहना है कि गंगा तट की संरचना फोरलेन गंगापथ के लिए अनुकूल है और तकनीकी चुनौतियां सीमित हैं। यह परियोजना पटना की तर्ज पर विकसित की जाएगी। सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि गंगा रिवर फ्रंट के निर्माण से कानपुरवासियों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना कानपुर को एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि भैरो मंदिर, आनंदेश्वर मंदिर और सरसैया घाट जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल भी गंगा पथ से सीधे जुड़ेंगे, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विशेष लाभ मिलेगा। निरीक्षण के दौरान केडीए के सचिव अभय कुमार पांडे, मुख्य नगर नियोजन अधिकारी मनोज कुमार, मुख्य अभियंता आरपी सिंह, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार, सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक बीके सेन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गंगापथ का डीपीआर बनाने के लिए सेतु निगम को टेंडर प्रक्रिया 27 जनवरी को पूरी हो जाएगी। डीपीआर के लिए केडीए पांच करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराएगा।

दवा से राहत, या बीमारी को न्यौता...? भोपाल के जेपी अस्पताल में टैबलेट में फफूंद के बाद अब माउथवाश में मिला कीड़ा

भोपाल। राजधानी के जिला चिकित्सालय यानी जेपी अस्पताल में मरीजों को राहत देने वाली दवाएं ही अब बीमारी का कारण बनती नजर आ रही हैं। साल के शुरुआती नौ दिनों में ही अस्पताल की फार्मेसी से वितरित दवाओं में गंभीर खामियों के दो मामले सामने आने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। तीन जनवरी को एक मरीज ने फफूंद लगी डिक्लोफेनेक टैबलेट मिलने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि छह जनवरी को अस्पताल से दिया गया सील पैक माउथवाश खोलने पर उसके भीतर कीड़े जैसी आकृति मिलने से हड़कंप मच गया। दोनों ही मामलों ने मरीजों की सुरक्षा और दवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर चिंता बढ़ा दी है। लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने पांच सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। इस टीम में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। जांच दल अस्पताल के ड्रग स्टोर और फार्मेसी में रखे पूरे स्टॉक की गहन जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने तक संदिग्ध दवाओं के बैच के वितरण पर रोक लगाई जा सकती है।यह भी पढ़ें- भोपाल के पांचसितारा होटल में गजब लापरवाही! न्यू ईयर पार्टी में ग्राहक को वेज के बजाय परोसा नॉनवेज, अब देना होगा 18 हजार रुपये हर्जानाजांच के दौरान ड्रग स्टोर के कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि अस्पताल परिसर और स्टोर की दीवारों में बनी रहने वाली नमी दवाओं की गुणवत्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। स्टाफ का दावा है कि इस समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक ठोस सुधार नहीं हो पाया।

पेंटिंग करते समय न करें ये 5 गलतियां कला को कर सकती हैं प्रभावित

पेंटिंग एक कला है, जो न केवल घर की सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि मन को भी सुकून देती है। हालांकि, पेंटिंग करते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं, जो आपके काम को बिगाड़ सकती हैं। इन गलतियों से बचकर आप अपनी पेंटिंग को बेहतर बना सकते हैं और लंबे समय तक उसका आनंद ले सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे बचना चाहिए।

सही रंग का चुनाव न करना

पेंटिंग करते समय सबसे जरूरी कदम सही रंग का चुनाव करना होता है। कई लोग बिना सोचे-समझे ही किसी भी रंग को चुन लेते हैं, जिससे बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। सही रंग चुनने के लिए पहले अपने कमरे की रोशनी, आकार और फर्नीचर का ध्यान रखें। इसके अलावा कमरे की दीवारों पर अलग-अलग रंगों का परीक्षण करें ताकि आपको पता चले कि कौन सा रंग आपके कमरे के लिए बेहतर रहेगा।

बेस कोट का उपयोग न करना

पेंटिंग से पहले बेस कोट लगाना बहुत जरूरी होता है। कई लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे पेंटिंग जल्दी उतरने लगती है और उसका असर कम होता है। बेस कोट लगाने से दीवारों की सतह चिकनी हो जाती है और रंग अच्छे से चिपकता है। इसके अलावा यह रंग को समान रूप से फैलाने में मदद करता है। सही तरीके से बेस कोट लगाने पर आपकी पेंटिंग लंबे समय तक टिक सकती है।

ब्रश या रोलर का गलत उपयोग करना

पेंटिंग करते समय ब्रश या रोलर का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। कई लोग गलत आकार या प्रकार के ब्रश या रोलर का इस्तेमाल करते हैं, जिससे काम अधूरा लगता है या अच्छी तरह नहीं होता। सही आकार और प्रकार का ब्रश या रोलर चुनने पर आपकी पेंटिंग साफ-सुथरी और पेशेवर जैसी दिखेगी। इसके अलावा सही उपकरणों का उपयोग करने से आपको कम समय में बेहतर परिणाम मिलेंगे और आपका काम ज्यादा सुंदर दिखेगा।

किनारों पर ध्यान न देना

पेंटिंग करते समय अक्सर किनारों पर ध्यान नहीं दिया जाता, जिससे पूरा काम बेढंगा लगता है। किनारों को साफ-सुथरा बनाने के लिए टेप का इस्तेमाल करें ताकि रंग बाहर न फैले और दीवारें अच्छी दिखें।

इसके अलावा टेप लगाने से आपको एक स्पष्ट और पेशेवर जैसा फिनिश मिलेगा, जिससे आपकी पेंटिंग और भी आकर्षक लगेगी। इस तरह से आपके कमरे की दीवारें साफ-सुथरी और सुंदर दिखेंगी, जिससे पूरा कमरा नया सा लगेगा।

सही मौसम का चुनाव न करना

पेंटिंग करते समय मौसम का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। बारिश या अत्यधिक गर्मी वाले दिनों में पेंटिंग करना सही नहीं होता क्योंकि इससे रंग जल्दी सूख नहीं पाता या खराब हो जाता है। सबसे अच्छा समय वसंत या पतझड़ का मौसम होता है जब नमी कम होती है और तापमान भी अनुकूल रहता है। इस तरह आप अपनी पेंटिंग को बेहतर बना सकते हैं और लंबे समय तक उसका आनंद ले सकते हैं।

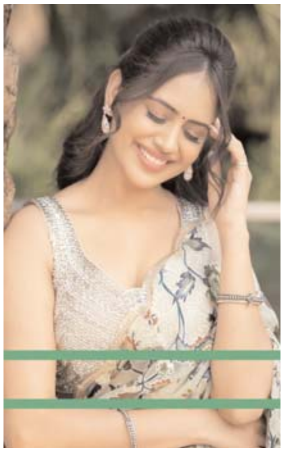

अलीशा पंवार ने बताई सच्चे प्यार की परिभाषा, कहा- शुरुआत भरोसे से होती है

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री अलीशा पंवार जल्द ही वेब सीरीज विन्नी की किताब में नजर आएंगी। यह सीरीज हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। सीरीज में अभिनेत्री विन्नी की भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में अलीशा पंवार ने बातचीत में किरदार और कहानी को लेकर विचार व्यक्त किए। जब अलीशा से पूछा गया, इस सीरीज को आपने हां क्यों कहा? उन्होंने कहा, मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी थी। यह सीरीज एक आम औरत की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को दिखाती है कि किस तरह से वह मुश्किलों में टूटती है, फिर संभलती है, और दोबारा मजबूती से खड़ी हो जाती है। अलीशा ने आगे कहा, हर लड़की खुद को विन्नी में कहीं-न-कहीं जरूर देखेगी। हमारा समाज हमेशा से ही औरतों को कैद करके रखने की कोशिश करता है कि लोग क्या कहेंगे, कोई गलत समझ लेगा, जबकि गलती उसकी होती ही नहीं। इस सीरीज में यह मजबूत संदेश है कि औरत चाहे किसी भी उम्र की हो, शादीशुदा हो या फिर सिंगल, वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है और खुश रह सकती है।

अभिनेत्री से पूछा गया, क्या आपको कभी असल जिंदगी में धोखा मिला है? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, सच कहूं, तो मुझे कभी भी धोखा नहीं मिला है। मैं दोस्त बहुत सोच-समझकर बनाती हूं। मेरे दोस्त बहुत कम हैं, सिर्फ हम दो-तीन लोग। अगर कभी कोई गलत करे, तो सीधा मुंह पर मारो और आगे बढ़ जाओ।

अभिनेत्री ने आगे प्यार की परिभाषा बताते हुए कहा, मेरे लिए प्यार की शुरुआत भरोसे से होती है कि अगर मैं किसी से साथ हूं, तो उस पर आंख बंद करके भरोसा कर सकूं और वही सच्चा प्यार ही होता है। अभिनेत्री ने कहा, जब आप विन्नी की किताब देखेंगे तो विन्नी की हर खुशी और उसके दर्द को महसूस करेंगे। हमने भी इस पर पूरे लगन और मेहनत से काम किया है। उम्मीद है कि सीरीज सभी को पसंद आएगी।

अभिनेत्री, मॉडल, लेखक और फिल्म निर्माता हैं नताली बर्न, जिन्होंने टॉक्सिक के टीजर में मचाया तहलका?

सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स 19 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है जिसने आते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। इस टीजर में यश प्रभावशाली गैंगस्टर राया का किरदार निभाते दिखे हैं। उनकी कुछ सेकंड की एंट्री देखकर लोगों ने उन्हें आने वाली सुनामी बता दिया है। अभिनेत्री नताली बर्न भी टीजर का हिस्सा हैं जिन्होंने छोटा सा बोल्ड सीन देकर लोगों का ध्यान खींच लिया है।

यूक्रेन के कीव में जन्मीं नताली गुस्लिस्टा उर्फ नताली, एक अमरीकी अभिनेत्री, मॉडल, लेखक और फिल्म निर्माता हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक उनकी उम्र का तो अंदाजा नहीं है, लेकिन हर साल 20 मई को वह अपना जन्मदिन मनाती हैं। पढ़ाई मॉस्को के बोल्शोई बैले स्कूल से हुई है। इसके अलावा वह लंदन के रॉयल बैले स्कूल की छात्रा भी रही हैं। नताली ने करियर की शुरुआत अभिनेत्री

और मॉडलिंग से की। बाद में फिल्म निर्माता और लेखक भी बन गईं। नताली ने कई चर्चित फिल्मों के जरिए हॉलीवुड इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। उन्हें निम्फ (2014), द एक्सपेंडेबल्स 3 (2014), एक्सेलेरेशन (2019) और टिल डेथ डू अस पार्ट (2023) जैसी कई फिल्मों में देखा गया है। द लास्ट रिडेम्पशन (2024) में डायना की भूमिका के लिए उन्हें पूर्वी यूरोप फिल्म महोत्सव का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। निजी जिंदगी की बात करें तो अक्टूबर, 2024 में नताली ने एमी पुरस्कार विजेता निर्देशक, टिमोथी वुडवर्ड जूनियर से शादी की थी।

बच्चों के लिए डांस है एक बेहतरीन एक्सरसाइज, जानिए इसके फायदे

बच्चों के लिए डांस करना न केवल एक मजेदार गतिविधि है, बल्कि यह उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। डांस से बच्चे न केवल फिट रहते हैं, बल्कि उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इसके अलावा डांस करने से बच्चों में टीम वर्क की भावना विकसित होती है और वे नए कौशल सीखते हैं। आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए डांस कैसे फायदेमंद हो सकता है।

शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने में है मददगार-डांस एक ऐसी गतिविधि है, जो बच्चों को शारीरिक रूप से सक्रिय रखती है। यह न केवल उनकी मांसपेशियों को मजबूत करता है, बल्कि उनके शरीर की लचीलापन और संतुलन भी सुधारता है। नियमित रूप से डांस करने वाले बच्चे अधिक ऊर्जा से भरे होते हैं और उनका शारीरिक विकास बेहतर होता है। इसके अलावा डांस से कैलोरी की खपत होती है, जिससे बच्चे फिट और स्वस्थ रहते हैं। डांस के माध्यम से बच्चों की सहनशक्ति भी बढ़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

डांस बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। जब बच्चे डांस करते हैं तो वे खुश महसूस करते हैं और उनकी चिंता कम होती है। डांस करने से बच्चों का ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे उनकी पढ़ाई में भी सुधार होता है। इसके अलावा डांस से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने विचारों को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाते हैं।

सामाजिक कौशल को सुधारने में है सहायक

डांस एक समूह गतिविधि होती है, जिसमें कई लोग मिलकर नाचते हैं। इससे बच्चों में सामाजिक कौशल विकसित होते हैं क्योंकि वे टीम वर्क करना सीखते हैं। वे दूसरों के साथ मिलकर काम करना और सहयोग करना भी सीखते हैं। इसके अलावा डांस करने से बच्चों में नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है और वे दूसरों का मार्गदर्शन करना सीखते हैं। इस प्रकार डांस बच्चों को सामाजिक रूप से सक्षम बनाता है।

अनुशासन सिखाने में है मददगार

डांस करने के लिए नियमित अभ्यास और अनुशासन जरूरी होता है, जो बच्चों में समय प्रबंधन की भावना विकसित करता है। वे सीखते हैं कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेहनत और नियमितता कितनी अहम होती है। इसके अलावा डांस करते समय बच्चों को अपने शरीर की सुननी पड़ती है और वे अपने आंदोलनों पर नियंत्रण पाना सीखते हैं।

रचनात्मकता को बढ़ावा देने में है मददगार

डांस बच्चों की रचनात्मकता को उजागर करने का एक बेहतरीन तरीका है। जब बच्चे अलग-अलग शैलियों में नाचते हैं तो वे नए विचारों को अपनाना सीखते हैं और अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग करते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी विकसित होती है और वे समस्याओं का समाधान करने में अधिक सक्षम होते हैं। इस प्रकार डांस न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाता है बल्कि उन्हें एक बेहतर इंसान भी बनाता है।

मेगास्टार चिरंजीवी और वेंकटेश फिल्म की मन शंकर वर प्रसाद गारु का ट्रेलर रिलीज

मेगास्टार चिरंजीवी और विक्ट्री वेंकटेश अभिनीत फिल्म माना शंकरा वर प्रसाद गारू का थिएट्रिकल ट्रेलर जारी हो चुका है और यह उम्मीदों पर खरा उतर रहा है। हिट मशीन अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित यह फिल्म त्योहारों के मौसम में दर्शकों को खूब पसंद आने का वादा करती है और इसके ज़ोरदार प्रचार अभियान ने इसे चर्चा में बनाए रखा है।

ट्रेलर में चिरंजीवी की हास्यप्रद भूमिका दिखाई गई है, जो प्रशंसकों को याद दिलाती है कि उन्हें मेगास्टार क्यों कहा जाता है। वेंकटेश के साथ उनकी केमिस्ट्री शानदार है, और नयनतारा पारंपरिक पोशाक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फिल्म का निर्माण उत्कृष्ट है, जिसमें स्टाइलिश दृश्य और एक नॉस्टैल्जिक बैकग्राउंड स्कोर शामिल है।

माना शंकरा वर प्रसाद गारू, शंकरा वर प्रसाद की कहानी है, जो एक पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंट हैं और अब एक पारिवारिक व्यक्ति बन गए हैं। उनके खुशहाल जीवन में भी मुश्किलें आती हैं। फिल्म में मनोरंजन और एक्शन का बेहतरीन मिश्रण है, जो इसे एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन बनाता है। चिरंजीवी के पुराने अंदाज़, अनिल रविपुडी की कॉमेडी और वेंकटेश की दमदार उपस्थिति के साथ, यह फिल्म संक्रांति के मौके पर एक शानदार तोहफा साबित होने वाली है।

कलाकारों का दमदार अभिनय देखने को मिलता है, सचिन खेडेकर ने अपने किरदार में पूरी तरह से ढलकर अभिनय किया है। समीर रेड्डी के दृश्य और भीम्स सेसिरोलियो का संगीत फिल्म की भव्यता को और बढ़ाते हैं। ए.एस. प्रकाश का प्रोडक्शन डिज़ाइन फिल्म की दुनिया को बखूबी जीवंत कर देता है। 'एमएसजी' फिल्म 12 जनवरी को वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए तैयार है।

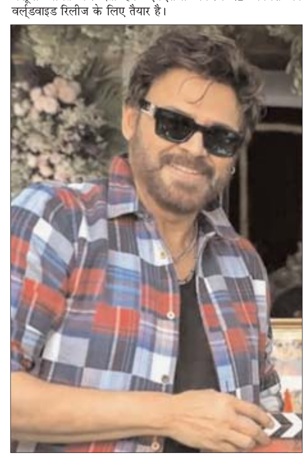

शब्द सामर्थ्य -282

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल [illegible] करना, प्रदान करना 11. [illegible] सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने [illegible] रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती हैं, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुस्सात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य [illegible] प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 281 का हल

अ	भि	प	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

धुरंधर का जादू बॉक्स ऑफिस पर बरकरार

सिनेमाघरों में आज प्रभास की मच अवेटेड 'द राजा साब' दस्तक दे रही है। लेकिन अब तक बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' और 'इक्कीस' बनी हुई हैं। हालांकि, एक ओर जहां 'धुरंधर' 35 दिन बाद भी करोड़ों में अच्छी कमाई कर रही है। वहीं 'इक्कीस' एक हफ्ते में ही सांसे भरती नजर आ रही है। रणवीर सिंह की 'धुरंधर' 35दिनों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नंबर्स हासिल कर रही है। अब 35वें दिन गुरुवार को भी 'धुरंधर' ने 4.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। इस तरह से सैकनिल्क के मुताबिक, 'धुरंधर' का कुल कलेक्शन 790.25 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। हालांकि, मेकर्स का ऐसा दावा है कि फिल्म 800 करोड़ रुपए के कलेक्शन को भी पार कर चुकी है। अगस्त्य नंदा की पहली थिएटर रिलीज और धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' सिनेमाघरों में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है।

नवपदस्थ जिला खनिज अधिकारी की सख्ती

अवैध खनिज परिवहन करने वालों पर धड़पकड़

आठ वाहन जप्त, नियमानुसार होगी कार्रवाई

कोरिया। जिले में अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। नवपदस्थ जिला खनिज अधिकारी इंद्र लाल के पदभार ग्रहण करने के बाद अवैध खनिज परिवहन करने वालों के विरुद्ध धड़पकड़ अभियान शुरू कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि बुधवार को खनिज विभाग की टीम द्वारा तहसील पटना एवं बैकुंठपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए कुल आठ वाहनों को जप्त किया गया। गश्त के दौरान इन वाहनों को अवैध रूप से गौण खनिज रेत एवं ईंट का

परिवहन करते हुए पाया गया। कार्रवाई उपरांत सभी जप्त वाहनों को थाना पटना एवं थाना चरचा में अभिरक्षा में रखा गया है। जप्त किए गए एसईई, सोल्ड ट्रैक्टर वाहन मालिक सतीश यादव, सोनालिका ट्रैक्टर (बिना नंबर) वाहन मालिक जयप्रकाश साहू, आयशर ट्रैक्टर (बिना नंबर) वाहन मालिक इमरान अहमद, महिंद्रा ट्रैक्टर (बिना नंबर) वाहन मालिक अवधेश सोनालिका ट्रैक्टर (बिना नंबर), वाहन मालिक जगतपाल, सोल्ड सोनालिका ट्रैक्टर वाहन मालिक सत्यनारायण आयशर ट्रैक्टर (बिना नंबर), वाहन मालिक संतोष साहू, सोनालिका ट्रैक्टर (बिना नंबर), वाहन मालिक देवीदयाल है। इन वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 की धारा 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी इंद्र लाल ने बताया कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने हेतु नियमित निरीक्षण एवं नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

यातायात सड़क सुरक्षा माह के तहत लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। यातायात सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने एवं वैध ड्राइविंग दस्तावेज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यातायात पुलिस जिला कोरिया द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी कड़ी में लर्निंग लाइसेंस बनवाने के लिए आरटीओ विभाग का विशेष कैंप सोनहत विकासखंड में आयोजित किया जा रहा है।

यह कैंप सोनहत कॉलेज परिसर में रविवार, 11 जनवरी 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। कैंप का उद्देश्य ऐसे नागरिकों को सुविधा प्रदान करना है, जो किसी कारणवश आरटीओ कार्यालय नहीं जा पाते या दूरदराज क्षेत्रों में निवास करते हैं। इस शिविर के माध्यम से लोग एक ही स्थान पर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर लर्निंग लाइसेंस प्राप्त कर सकेंगे। यातायात पुलिस जिला कोरिया ने बताया कि लर्निंग लाइसेंस बनवाने के इच्छुक आवेदकों को अपने साथ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य रूप से लाने होंगे। इसमें अंक सूची या पैन कार्ड, आधार कार्ड, एक प्रति पासपोर्ट साइज फोटो तथा 450 रुपये शुल्क शामिल है। सभी दस्तावेज सही एवं वैध होने चाहिए, जिससे आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। यातायात पुलिस का मानना है कि बिना लाइसेंस वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण भी बनता है। ऐसे में लर्निंग लाइसेंस के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देना और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति प्रेरित करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। यातायात पुलिस जिला कोरिया ने सोनहत एवं आसपास के क्षेत्र के युवाओं और नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और निर्धारित तिथि व समय पर कैंप में पहुंचकर अपना लर्निंग लाइसेंस बनवाएं, ताकि सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

आधारबेस अटेंडेंस से बढ़ी अनुशासनात्मक सख्ती

कोरिया। प्रदेश के लगभग सभी शासकीय कार्यालयों में 1 जनवरी 2026 से ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू किए जाने का सकारात्मक असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। मंत्रालय एवं संचालनालय के साथ-साथ जिला स्तर के कार्यालयों में भी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचने लगे हैं। जिला कोरिया में भी आधारबेस उपस्थिति प्रणाली का प्रभाव साफ नजर आ रहा है। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के नेतृत्व में जिला प्रशासन में समय पालन को लेकर अनुशासन बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर त्रिपाठी स्वयं नियमित रूप से प्रातः 10 बजे से पूर्व कार्यालय पहुंचती हैं, जिससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों में भी समय पर उपस्थिति दर्ज कराने की प्रवृत्ति विकसित हुई है। कार्यालय पहुंचते ही अधिकारी-कर्मचारी अपने मोबाइल फोन के माध्यम से कार्यालय आने व कार्यालय से जाते समय आधारबेस अटेंडेंस दर्ज कर रहे हैं।

बिजली उपभोक्ताओं में 362 प्रतिशत की वृद्धि

कोरिया। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अंतर्गत अंबिकापुर क्षेत्र में शामिल कोरिया जिले में बीते 25 वर्षों के दौरान विद्युत अधोसंरचना का अभूतपूर्व विकास हुआ है। निरंतर और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति के चलते जिले में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2000 में, जब वर्तमान मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला भी कोरिया जिले में शामिल था, तब जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 6228 वर्ग किलोमीटर था। सितंबर 2022 में नए जिले के गठन के बाद कोरिया का क्षेत्रफल घटकर 2002 वर्ग किलोमीटर रह गया, इसके बावजूद बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल विद्युत उपभोक्ता (एलटी एवं एचटी) वर्ष 2000 में 25,922 थे, जो बढ़कर 94,065 हो गए हैं। निम्नदाब उपभोक्ताओं की संख्या 11,617 से बढ़कर 48,965 हो गई है। इनमें बीपीएल कनेक्शन 4,354 से बढ़कर 21,026, घरेलू कनेक्शन 9,776 से बढ़कर 21,425 तथा सिंचाई पंप कनेक्शन 157 से बढ़कर 2,634 हो गए हैं। इस प्रकार 25 वर्षों में कुल विद्युत उपभोक्ताओं में लगभग 362 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बढ़ती मांग को देखते हुए

पारेषण-वितरण अधोसंरचना में पांच गुना से अधिक विस्तार

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा विद्युत पारेषण एवं वितरण अधोसंरचना का व्यापक विस्तार किया गया है। इस अवधि में जिले में 132/33 केवी उपकेंद्रों की संख्या शून्य से बढ़कर 1, 33/11 केवी उपकेंद्रों की संख्या 2 से बढ़कर 10 तथा पावर ट्रांसफार्मरों की संख्या 3 से बढ़कर 15 हो गई है। वहीं वितरण ट्रांसफार्मर 338 से बढ़कर 1,988 तक पहुंच गए हैं।

इसके साथ ही उच्चदाब लाइनों की लंबाई 897 किलोमीटर से बढ़कर 2,072 किलोमीटर और निम्नदाब लाइनों की लंबाई 449 किलोमीटर से बढ़कर 2,636 किलोमीटर हो गई है। सिंचाई पंपों की संख्या में 16 गुना वृद्धि हुई है। निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए 5 वितरण केंद्रों का निर्माण कर 45,675 उपभोक्ताओं को सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है। कंपनी प्रबंधन द्वारा विभिन्न वर्गों के उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनके अंतर्गत रियायतें और विशेष छूट प्रदान की जा रही हैं। इसके परिणामस्वरूप कोरिया जिले में शत-प्रतिशत ग्राम विद्युतीकरण का लक्ष्य भी लगभग पूर्ण हो रहा है। विद्युत अधोसंरचना के इस तीव्र विकास से जिले के लाखों उपभोक्ताओं को बेहतर, सुरक्षित और निरंतर बिजली आपूर्ति का लाभ मिल रहा है।

पंचायत पदाधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

कोरिया। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत कोरिया के जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी) में ग्राम पंचायत सरपंच एवं उपसरपंचों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में जिले की सभी 162 ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।प्रशिक्षण के दौरान पंचायत पदाधिकारियों को पंचायत राज अधिनियम 1993, 73वां संविधान संशोधन, पेसा नियम 2022 सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही विकसित भारत ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण आजीविका सशक्तीकरण के लिए जल संरक्षण आधारित आजीविका डबरी, फलोद्यान विस्तार, पशुपालन एवं समूह आधारित स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता माह में वाहन चालकों का किया निःशुल्क नेत्र परीक्षण

चिरमिरी। पुलिस महा निरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशा अनुसार यातायात जागरूकता माह के अंतर्गत चिरमिरी पुलिस द्वारा जनहित में एक विशेष कदम उठाया गया है। जिसके अंतर्गत चिरमिरी शहर के स्थानीय क्षेत्र बड़ा बाजार में स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में चिरमिरी थाना के माध्यम से विशाल निशुल्क नेत्र शिविर का सफल आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य सड़क सुरक्षा और यातायात जागरूकता को बढ़ावा देना है। जिसमें विशेष रूप से वाहन चालकों की आंखों की जांच पर जोर दिया गया ताकि वाहन चालकों की दृष्टि से संबंधीत समस्याओं की पहचान हो सके और समय रहते उनकी आंखों का उचित उपचार सुनिश्चित किया जा सके एवं कमजोर नजर के कारण होने वाली संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। शिविर में स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों का भारी उत्साह देखने को मिला। आयोजन के दौरान लगभग 150 लोगों के आंखों की विस्तृत जांच की गई। जांच के उपरांत जरूरतमंदों को संस्थान की ओर से निशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गई। पुरे आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि सुरक्षित यातायात के लिए चालक का शारीरिक रूप से स्वस्थ होना अनिवार्य है, जिसमें आंखों की रोशनी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस शिविर के माध्यम से पुलिस ने न केवल सुरक्षा का संदेश दिया, बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है।

निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन हादसा: छज्जा गिरने से छात्र की मौत, प्रधान पाठक निलंबित

बलरामपुर। वाड्रफनगर थाना क्षेत्र के शारदापुर गांव में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का छज्जा गिरने से छठवीं कक्षा के छात्र की मौत के मामले में प्रशासन ने कार्रवाई की है। संयुक्त संचालक ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए माध्यमिक शाला की प्रधान पाठक ममता गुप्ता को निलंबित कर दिया है, जबकि अन्य शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह हादसा गुरुवार को शारदापुर गांव के खुटहन पारा स्थित माध्यमिक शाला परिसर में हुआ। स्कूल में अध्ययनरत छठवीं कक्षा का छात्र आलोक कुमार (पिता रमेश देवांगन) मध्याह्न भोजन अवकाश के दौरान खेलते-खेलते स्कूल के पीछे निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन तक पहुंच गया। इसी दौरान अचानक भवन का छज्जा भरभराकर गिर पड़ा, जिसके नीचे आलोक दब गया। घटना की जानकारी अन्य बच्चों ने शिक्षकों को दी। मौके पर पहुंचे शिक्षक और ग्रामीणों ने मलबे में दबे आलोक को बाहर निकालकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से पहले शिक्षकों और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की मांग की थी। अब शिक्षकों पर कार्रवाई होने के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार की सहमति जताई है। प्रारंभिक जांच में विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है, जिस पर आगे भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

नम आंखों से अशोक की अंतिम विदाई जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग तेज

बलरामपुर। जिले के शारदापुर गांव में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का छज्जा गिरने से कक्षा छठवीं में पढ़ने वाले मासूम अशोक की दर्दनाक मौत के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल व्याप्त है।

प्रशासन की समझाइश के बाद घटना के दूसरे दिन परिजनों ने नम आंखों से अशोक का अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार में सैकड़ों ग्रामीणों के साथ प्रशासनिक अमला भी मौजूद रहा। अशोक अपने माता-पिता का इकलौता चिराग था, जिसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब भोजन अवकाश के दौरान अशोक खेलते हुए स्कूल परिसर में स्थित निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन के पास पहुंच गया। इसी दौरान अचानक भवन का छज्जा भरभराकर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने से अशोक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही गांव में कोहराम मच गया और परिजन बेसुध हो गए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग हरकत में आया है। प्राथमिक जांच में लापरवाही पाए जाने पर स्कूल की प्रधान पाठक ममता गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही विद्यालय में पदस्थ तीन शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा घटिया निर्माण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप में गांव के सरपंच और ग्राम सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। हालांकि, परिजन और ग्रामीण प्रशासनिक कार्रवाई से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार शिक्षकों के खिलाफ आपराधिक मामला क्यों नहीं दर्ज किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय परिसर में बने कई शौचालय लंबे समय से बंद रखे गए थे। यदि उन्हें खुला रखा जाता तो संभवतः यह हादसा टल सकता था। घटना के बाद आनन-फानन में शौचालयों की सफाई कर उन्हें खोल दिया गया, जिससे ग्रामीणों में और नाराजगी है। इस हादसे ने एक बार फिर सरकारी भवनों के निर्माण की गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन ने निष्पक्ष जांच और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है, लेकिन गांव में अब भी न्याय की उम्मीद और आक्रोश एक साथ दिखाई दे रहा है।

दूरस्थ अंचलों में सुदृढ़ हुई स्वास्थ्य सेवाएं

कोरिया। जिले के दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का सकारात्मक असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। रामगढ़ जैसे दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में स्थित स्वास्थ्य केंद्र आम लोगों के लिए लाभकारी साबित हो रहा है। वहीं सोनहत और बुढ़ार के स्वास्थ्य केंद्रों में जांच, उपचार एवं पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता से मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत 17 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी कराई गई। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने अभियान की प्रभावी निगरानी के निर्देश देते हुए कहा है कि प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी गर्भवती महिलाओं को समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। डॉ प्रशांत सिंह ने बताया कि विभिन्न योजनाओं और अभियानों के माध्यम से अब तक हजारों महिलाओं को लाभ पहुंचाया गया है। समय रहते उच्च जोखिम गर्भावस्थाओं की पहचान होने से कई महिलाओं को समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा सका है। विभाग मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को और कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। जिला प्रशासन मातृत्व स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध।

प्रेमनगर में सड़क किनारे अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारू की गई

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार नगर पंचायत प्रेमनगर में सड़कों पर यातायात बाधित करने वाले अवैध ठेला-गुमटी एवं दुकानों को व्यवस्थित करने हेतु आज कार्रवाई की गई। इस दौरान साप्ताहिक बाजार एवं सड़क किनारे अवैध रूप से अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले सब्जी, मछली एवं मुर्गा विक्रेताओं सहित ठेला-गुमटी लगाकर मुख्य सड़क को बाधित करने वाले दुकानदारों को समझाइश दी गई। कार्रवाई के दौरान सड़क किनारे अतिक्रमण कर व्यापार कर रहे दुकानदारों को निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित कराया गया, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। अधिकारियों द्वारा व्यापारियों से अपील की गई कि वे केवल निर्धारित स्थलों पर ही व्यवसाय करें और भविष्य में सड़क पर अतिक्रमण न करें।

स्कूली बच्चों व ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

एमसीबी। जिले में जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अंतर्गत 8 जनवरी को विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत पाराडोल स्थित प्राथमिक शाला में 'जल अर्पण दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत सदस्य, जल बहिनियां, ड्ढड्ढस्ष्ट सदस्य, पंप ऑपरेटर, ग्रामीणजन तथा बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान जल जीवन मिशन अंतर्गत पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण जल के उपयोग तथा जल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। पंप ऑपरेटरों ने जल आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े अनुभव साझा किए, जिससे ग्रामीणों को जल प्रबंधन की बेहतर समझ मिली। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई जल संरक्षण विषयक रंगोली एवं जन-जागरूकता रैली रही। रंगोली के माध्यम से वर्षा जल संचयन, स्वच्छ जल एवं जल संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया गया। वहीं बच्चों ने हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर गांव में रैली निकालकर जल बचाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। जल बहिनियों एवं फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से बच्चों और ग्रामीणों को जल गुणवत्ता परीक्षण, शुद्ध पेयजल के उपयोग तथा जल के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के संबंध में जानकारी दी गई।

सशक्त मानसिकता से आत्मनिर्भरता की ओर: पोषण निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं महिलाएं

सूरजपुर। आर्थिक सशक्तिकरण की नींव सशक्त मानसिकता पर आधारित होती है। दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास व्यक्ति को सफलता की दिशा में आगे बढ़ाते हैं। सूरजपुर जिले की स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने इस सोच को व्यवहार में उतारते हुए आत्मनिर्भरता की एक सशक्त मिसाल प्रस्तुत की है। ये महिलाएं न केवल स्वयं सशक्त बन रही हैं, बल्कि जिले की महिलाओं एवं बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने के अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तत्काल उपभोग हेतु तैयार पोषण आहार (रेडी टू ईट) निर्माण संयंत्र का शुभारंभ किया गया है। इन संयंत्रों में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक नमकीन दलिया तथा मीठा शक्ति आहार का निर्माण किया जा रहा है, जो विटामिन 'ए', विटामिन 'डी', थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन, पाइरीडॉक्सिन, फोलिक अम्ल, कोबालामिन, लोह तत्व (आयरन), कैल्शियम एवं जिंक जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर है। जिले प्रशासन द्वारा जिले में कुल 07 पोषण आहार निर्माण संयंत्र स्थापित किए गए है। यहां वर्तमान में भैयाथान, प्रतापपुर एवं सूरजपुर विकासखंड में तीन संयंत्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इन तीनों संयंत्रों में 32 महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से पोषण आहार निर्माण कार्य में संलग्न हैं। निर्मित पोषण आहार आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। इस प्रकार स्व-सहायता समूहों की महिलाएं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण में अप्रत्यक्ष किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।इस सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बात है कि पोषण आहार के निर्माण के साथ-साथ उसके वितरण की भी जिम्मेदारी भी महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपी गई है।भैयाथान विकासखंड में 15 स्व-सहायता समूह,सूरजपुर विकासखंड में 15 स्व-सहायता समूह तथा प्रतापपुर विकासखंड में 13 स्व-सहायता समूह सक्रिय रूप से वितरण कार्य में अपनी भूमिका निभा रही है।इन समूहों के माध्यम से कुल 430 महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्रों तक पोषण आहार वितरण कार्य में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।इस योजना से महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। मानसिक रूप से सशक्त ये महिलाएं अब घरेलू कार्यों के साथ-साथ आजीविका से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। यह पहल न केवल निश्चित रूप से जिले में पोषण स्तर सुधारने में सहायक सिद्ध होगी।

दस्तावेज देने के एवज में पैसे की मांग, पीड़ित ने तहसील कार्यालय के आगे तख्ती लेकर दिया धरना

बलरामपुर। बलरामपुर तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू और चौकीदार पर दस्तावेज़ देने के एवज में अवैध पैसे मांगने का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता टांगरमहरी निवासी दीपक यादव ने तहसील कार्यालय के सामने तख्ती लेकर धरना दिया। दीपक यादव का आरोप है कि दस्तावेज़ प्राप्त करने के लिए 500 की रिश्वत मांगी गई, जबकि सरकारी फीस केवल 10 थी। उनके पास 200 मौजूद थे और बाकी 300 वह अधिकारियों से भीख मांग कर देने के लिए धरने पर बैठे थे। जानकारी के अनुसार, दीपक यादव ने अधिकार अभिलेख सेटलमेंट जैसे दस्तावेज़ निकालने के लिए लोक सेवा केंद्र में आवेदन किया और निर्धारित शुल्क जमा कर तहसील कार्यालय पहुंचे। आरोप है कि दस्तावेज़ देने के दौरान बाबू शिवनंदन पैकरा ने अतिरिक्त 500 की मांग की। युवक ने रिश्वत देने से इनकार किया और काम रोक दिए जाने की शिकायत की। भ्रष्टाचार से आहत दीपक यादव ने दोपहर लगभग 12:00 बजे धरना दिया, जो लगभग एक घंटे तक चला।

परसापानी में आयुष विभाग का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

कोरिया। आयुष विभाग, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार विकासखंड बैकुण्ठपुर के ग्राम परसापानी, जगतपुर, दुर्गापुर, उमझर में वयोमित्र कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य वातरोगों जैसे ऑस्टियोआर्थराइटिस एवं मांसपेशीय रोगों की रोकथाम व उपचार के साथ-साथ आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। शिविर के दौरान नागरिकों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें रक्तचाप, शुगर की जांच सहित विभिन्न रोगों का आकलन किया गया। इसके साथ ही निःशुल्क आयुष औषधियों का वितरण किया गया तथा योग, जीवनशैली एवं मौसम अनुरूप आहार-विहार के माध्यम से रोगों से बचाव की जानकारी दी गई। विशेष रूप से वृद्धजनों को बढ़ती आयु में होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के उपाय बताए गए। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लगभग 105 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आयुष विभाग ने बताया कि भविष्य में इस तरह के शिविरों का आयोजन और व्यापक स्तर पर किया जाएगा तथा वयोमित्र कार्यक्रम का विस्तार कर अधिक से अधिक लोगों तक आयुष सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जगत नारायण मिश्रा, डॉ. अंजली, फार्मासिस्ट युवराज सिन्हा एवं योग सहायक कृष्णा राजवाड़े द्वारा किया गया।

विकसित भारत-जी राम जी विधेयक 2025 से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा: सांसद

बलरामपुर। भाजपा के ज़िला कार्यालय बलरामपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने विकसित भारत-जी राम जी (गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण) विधेयक 2025 को लेकर योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। भाजपा प्रदेश मंत्री शिवनाथ यादव और जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल के विशेष उपस्थित रहने के बीच सांसद ने बताया कि यह विधेयक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण विकास और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि यह योजना मनरेगा का उन्नत रूप है। जहां पहले प्रति परिवार 100 दिन रोजगार की गारंटी थी, अब इसे बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। मजदूरी का भुगतान अब कार्य के सात दिन के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। अधिनियम में खेती-किसानी के पीक सीजन में श्रमिकों को पारंपरिक कृषि कार्य करने के लिए 60 दिन का नो-वर्क पीरियड भी शामिल किया गया है। इससे किसानों को भी लाभ होगा और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी पलायन पर रोक लगेगी। प्रेस वार्ता में यह भी बताया गया कि विधेयक के तहत फर्जी जॉब कार्ड, नकली मस्टर रोल और मजदूरी में अनियमितताओं को समाप्त करने के प्रावधान किए गए हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाकर जॉब कार्ड, आधार-बैंक लिंकिंग जैसी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। योजना के तहत जल संरक्षण, सड़क, पुल, तालाब निर्माण, कृषि, पशुपालन, मछली पालन, कौशल विकास और आजीविका जैसे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए लगभग एक-तिहाई कार्य महिलाओं को दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास दोनों में संतुलन बने। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता हमेशा गरीब, किसान और मजदूर रहा है और विकसित भारत-जी राम जी विधेयक इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला महामंत्री भानुप्रकाश दीक्षित, प्रवक्ता दीनानाथ यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुणि निकुंज, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुषमा मिंज, विधायक प्रतिनिधि मुकेश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सांसद ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी और ग्रामीण विकास के लिए जनता से सहयोग का आह्वान किया।

बांकी में सामूहिक दुष्कर्म, पीड़िता की आपबीती पर 2 नराधम गिरफ्तार

तीन आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोरबा क्षेत्र की बाकी मोगरा स्थित रेजिडेंशियल कॉलोनी के एक आवास में युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई है। कुल पांच लोग इस मामले में शामिल थे। इनमें से एक डायल 112 का कर्मचारी भी था। उसके सहित मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही है।

यह मामला कोरबा जिले के बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। डायल 112 वाहन में पदस्थ चालक अपने चार अन्य साथियों के साथ बांकी स्थित एसईसीएल के एक आवास में पहुंचा था। आरोप है कि यहां युवती को बुलाकर उसके साथ गैंगरेप की

वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद किसी तरह पीड़िता अपने घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने तुरंत जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पीड़िता को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि इस मामले में हमारे यहां जीरो पर प्रकरण रजिस्टर्ड किया गया है और केस डायरी अगली जांच करवाई के लिए बाकी मोगरा थाना भेजी गई है।

जो सूचना प्राप्त हुई है, उनमें कहा गया है कि गैंगरेप की इस वारदात में कुल पांच आरोपी शामिल थे, जिनमें से दो को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, जबकि तीन आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। डायल 112 जैसे आपातकालीन सेवा से जुड़े कर्मचारी की संलिप्तता सामने आने के बाद मामला और भी गंभीर हो गया है। पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामनाम लेखन: श्रद्धालुओं का जत्था 12 को रवाना होगा

कोरबा। जिले में रामनाम लेखन महायज्ञ पूर्णता को प्राप्त हो रहा है। जिले के 3 लाख घरों तक वितरीत की गई रामनाम लेखन पुस्तिकाओं का कार्य पूरा होने के बाद इन्हें अयोध्या भिजवाने की तैयारी है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से पुस्तिकाएं जिला केन्द्र में पहुंच गई है। भव्य कार्यक्रम के साथ 12 जनवरी को सुबह 11 बजे अयोध्या के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना होगा। इसमें सैकड़ों बाइक में युवा रामभक्त के अलावा व्यवस्था दृष्टि से और भी वाहन शामिल होंगे। अंबिकापुर और वाराणसी में रात्री विश्राम के बाद भक्त अयोध्या पहुंचेंगे। 16 जनवरी को जोनपुर रेणुकुट के रास्ते उनकी कोरबा वापसी होगी। अभियान से जुड़े डॉ. राजीव गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी अंतिम स्तर पर है।

जुराली में मुक्तिधाम जाने का रास्ता नहीं, जूझना पड़ रहा मुश्किलों से

कोरबा। कटघोरा नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जुराली के ग्रामीणों को आज भी मुक्तिधाम तक जाने के रास्ते की गंभीर समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस ज्वलंत मुद्दे को लेकर वार्ड क्रमांक 13 जुराली के पार्षद आत्मानारायण पटेल के नेतृत्व में वार्डवासियों ने कटघोरा एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम जुराली स्थित मुक्तिधाम तक जाने वाला मार्ग नवीन पुल निर्माण के दौरान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद से आज तक इस मार्ग का पुनर्निर्माण नहीं हो सका है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से अंतिम संस्कार जैसे अत्यंत संवेदनशील और आवश्यक कार्यों के समय यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। बताया गया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा नगर पालिका परिषद कटघोरा एवं जिला प्रशासन को कई बार निवेदन किया जा चुका है। ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग के निर्माण कार्य को दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड के माध्यम से कराए जाने हेतु पत्राचार भी किया गया था। इसके बावजूद हैरानी की बात यह है कि अब तक इस दिशा में कोई ठोस और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि खराब और क्षतिग्रस्त रास्ते के कारण शवयात्रा निकालना अत्यंत कठिन हो जाता है, जिससे उन्हें मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की पीड़ा सहनी पड़ती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मुक्तिधाम तक जाने वाले मार्ग का शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को इस तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। ज्ञापन सौंपते समय ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन इस मानवीय और आवश्यक मुद्दे पर जल्द सकारात्मक कदम उठाएगा।

झुंड से अलग होकर दंतैल पहुंचा चैतुरगढ़

कोरबा। कोरबा जिलान्तर्गत कटघोरा वन मंडल के जटगा रेंज में घूम रहा दंतैल हाथी चैतुरगढ़ पहाड़ी पर पहुंच गया है। दंतैल को क्षेत्र में विचरण करते हुए देखे जाने के बाद वन विभाग सतर्क हो गया है। आसपास के गांवों में मुनादी कराने के साथ ग्रामीणों को सतर्क करने का अभियान भी शुरू कर दिया गया है।

कोरबा वन मंडल में हाथियों की संख्या 14 हो गई है। 3 हाथी धरमजयगढ़ वनमंडल से कुदमुरा रेंज पहुंचे हैं। वन विभाग ने आसपास गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है। पाली रेंज के रतखंडी, पहाड़गांव, जेमरा में लंबे समय बाद दंतैल हाथी के पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत है। जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने सुबह जंगल के बीच खेत में हाथी के पद चिन्ह देखे। इसके बाद वन विभाग को इसकी सूचना दी।

वन विभाग ने पुष्टि करने के बाद आसपास के गांवों में लोगों को सतर्क रहने मुनादी कराई है। कटघोरा वन मंडल में 53 से अधिक हाथी घूम रहे हैं। इनमें से दंतैल हाथी झुंड से अलग होकर घूम रहा है। कुदमुरा रेंज में पहुंचे 3 हाथी दंतैल हैं।

पिकअप की ठोकर से एक की मौत, एक घायल

कोरबा। करतला पुलिस थाना क्षेत्रांतर्गत सलिहाभांठा में पिछली रात हुई दुर्घटना में बाइकर्स की मौत हो गई, जबकि कार चालक घायल हो गया। पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि पिकअप ने पहले बाइक को टक्कर मारी और फिर एक कार से भिड़ गई। हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौत हो गई। जबकि कार चालक को काफी चोटें आने पर मेडिकल कॉलेज हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। करतला पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में प्रकरण रजिस्र्ड किया है। सबसे बड़ी बात यह है कि 32 वां सड़क सुरक्षा जागरूकता माह 1 जनवरी से शुरू हुआ जो 31 जनवरी तक मनाया जाएगा। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लायी जाए। इसलिए वाहन चालकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं और ट्रैफिक के प्रति उनकी समझ विकसित की जा रही है। जिस अनुपात में हादसों का सिलसिला बना हुआ है, उससे लगता है की कहीं ना कहीं या तो वाहन चालक लापरवाही का प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर नियम पालन की जानकारी देने के मामले में कुछ कमियां रह गई हैं।

मकर संक्रांति के लिए पहुंचे तिल के समान, होगी पतंगबाजी

कोरबा। ऋतु परिवर्तन और आस्था का पर्व मकर संक्रांति पर्व को लेकर अब चार दिन शेष रह गए हैं। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही इस पर्व का विशेष महत्व है। इसे ऋतु परिवर्तन का प्रतीक माना जाता है, जहां से शीत ऋतु की विदाई और बसंत की ओर अग्रसर होने का संकेत मिलता है।मकर संक्रांति को ध्यान में रखते हुए कोरबा शहर सहित जिले के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। मिठाई दुकानों पर तिलकुट, गजक, रेवड़ी, लाई और अन्य पारंपरिक मिष्ठान्न उपलब्ध हो चुके हैं। तिल और गुड़ से बने इन व्यंजनों की मांग बढ़ रही है, जिसे लेकर दुकानदारों ने भी विशेष तैयारियां की हैं। पर्व के दिन कोरबा नगर और जिले के विभिन्न नदी, तालाबों में श्रद्धालु प्रात:काल पुण्य स्नान करेंगे। स्नान के उपरांत दान-पुण्य की परंपरा निभाई जाएगी। तिल, गुड़, वस्त्र और अन्न का दान विशेष पुण्यकारी माना जाता है। कई स्थानों पर स्थानीय परंपरा के अनुसार पतंगबाजी का आयोजन भी होगा।

रोड का हुआ कबाड़ा, कंडम वाहनों ने और बिगाड़ी दशा

कोरबा। अरसे से कबाड़ हो चुकी कोयलांचल दीपका से हरदीबाजार की सड़क को एक तरह से कंडम वाहनों के मामले में उनके मालिकों ने यार्ड बना रखा है। बड़े हिस्से में ऐसी गाड़ियां खड़ी कर देने से कई प्रकार के खतरे उत्पन्न हो गए हैं।

दीपका थाना के सामने पुराने हरदीबाजार रोड जाने वाले मुख्य मार्ग में एसईसीएल कर्मी ड्यूटी जाते हैं। इस रास्ते पर बड़ी संख्या में रोड किनारे भारी वाहन खड़े रहते हैं। जिसके कारण प्राय: जाम की स्थिति का सामना करना पड़ता है। बताया गया कि काफी समय से इस प्रकार के हालात मार्ग पर बने हुए हैं। कुछ मौकों पर पुलिस ने सख्ती की तो हालात में सुधार आया। लेकिन अब स्थिति ढाक के तीन पात वाली हो गई है। भारी वाहनों के इस रास्ते पर रखे जाने के चलते हादसों का डर बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने एसईसीएल और पुलिस से कहा है कि संयुक्त रूप से कार्यवाही की जाए ताकि क्षेत्र की तस्वीर को बदला जा सके।

छात्र-छात्राओं ने निकाली नशामुक्ति जागरूकता रैली

कोरबा। कोरबा जिले में नशामुक्त भारत के लक्ष्य को लेकर विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के द्वारा एक नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की योजना के अंतर्गत 5 से 12 जनवरी तक आयोजित साप्ताहिक शिविर एवं राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद जयंती) के अवसर पर आयोजित की गयी।

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा के तत्वावधान में 9 जनवरी को रैली का आयोजन किया गया। रैली को जिला न्यायालय परिसर से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त रैली में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेजेस स्कूल पोड़ीबहार, निर्मला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोसाबाड़ी के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी दी। इस अवसर पर जिला न्यायालय के न्यायाधीशगण, जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्ता, शासकीय अभिभाषक, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य, न्यायालयीन कर्मचारी, समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक हरीश सक्सेना, शिक्षक-शिक्षिकाएं, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी एवं पैरालीगल वालंटियर्स उपस्थित रहे। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने नशामुक्ति के संदेश वाले स्लोगन के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने 'नशा छोड़ो-स्वस्थ जीवन से नाता जोड़ो' का संदेश देते हुए नशे के दुष्प्रभावों से लोगों को अवगत कराया। यह रैली जिला न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों व चौक-चौराहों से होते हुए पुन: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण परिसर में संपन्न हुई। आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे से दूर रखकर स्वस्थ, सुरक्षित एवं जागरूक समाज का निर्माण करना रहा।

कुछ थानों के एएसआई और हेड कांस्टेबल को भेजा दूसरी जगह

कोरबा। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा प्रशासनिक दृष्टिकोण से कार्यो में कसावट लाने जिले में पदस्थ कुछ अधिकारी/कर्मचारियों का अस्थायी स्थानांतरण किया गया है। यह आदेश अग्रिम आदेश तक प्रभावशील रहेगा। संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल आमद देने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मी प्रसाद कुर्रे को रक्षित केंद्र कोरबा से थाना पसान में अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है। प्रधान आरक्षक 318 धनंजय तिवारी को चौकी मोरगा से थाना सिविल लाइन रामपुर स्थानांतरित किया गया है। प्रधान आरक्षक 73 शैलेन्द्र भोसले को थाना पसान से चौकी मोरगा में पदस्थ किया गया है। प्रधान आरक्षक 316 जय प्रकाश यादव को रक्षित केंद्र कोरबा से थाना उरगा भेजा गया है। महिला आरक्षक 864 अनुराधा कंवर को थाना श्यांग से रक्षित केंद्र कोरबा में अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी अधिकृत आदेश में सभी संबंधित थाना एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश दिनांक 08 जनवरी 2026 से प्रभावशील कर दिया गया हैं। आदेश की प्रतिलिपि समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों, रक्षित निरीक्षक, संबंधित थाना-चौकी प्रभारियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को सूचनार्थ एवं पालनार्थ प्रेषित की गई है।

कोरबा-रायपुर पैसेंजर फिर रहेगी रद्द, यात्री हलाकान

कोरबा। रेलवे यात्रियों के लिए एक अहम सूचना सामने आई है। हथबंद-तिल्दा नेवरा सेक्शन में रोड अंडर ब्रिज निर्माण कार्य के चलते 11 और 12 जनवरी को छ 8 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार निर्माण और नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण यह निर्णय लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, गोंदिया-झारसुगड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर ट्रेन 11 जनवरी को अपने पूरे मार्ग पर नहीं चलेगी, बल्कि इसे आधे रास्ते तक ही संचालित किया जाएगा। वहीं दक्षिण पूर्व रेलवे में चल रहे नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस पहले से ही 9 से 14 जनवरी तक रद्द है। रद्द की गई ट्रेनों में रायपुर-बिलासपुर पैसेंजर, कोरबा-रायपुर पैसेंजर, गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू और नेताजी सुभाष चंद्र बोस पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा टाटानगर-बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस (18113/18114) भी 14 जनवरी तक रद्द रहेगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा और भविष्य में बेहतर सुविधाओं के लिए यह कार्य आवश्यक है। हालांकि, इन दिनों में यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

प्रगति नगर की पुष्पवाटिका की हालत सुधरी, सुरक्षा तय होने से बढ़े वाकर्स

पार्षद अविनाश के प्रयासों से आए नतीजे

कोरबा। कोयलांचल दीपका में प्रगति नगर क्षेत्र के आसपास पुष्पवाटिका की स्थिति को बेहतर करने का काम लंबे समय के बाद हो सका है। सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है। बदलाव का असर कहना होगा कि अब यहां मार्निंग और इवनिंग वाकर्स की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है।

स्थानीय पार्षद अविनाश सिंह लड्डू के प्रयास से यह संभव हुआ। क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की बेहतरी के साथ जरूरतों की पूर्ति के लिए उन्होंने काम किया। कामकाजी और सामान्यजन के फुर्सत के कुछ घंटों का ध्यान रखते हुए इस वार्ड में स्थित पुष्पवाटिका को प्राथमिकता के साथ ठीक कराया गया है। एमआईसी सदस्य अविनाश से पिछले दिनों इस बारे में नगर पालिका को प्रस्ताव दिया जिसे मंजूर करने के साथ

योजना पर कार्य किया गया। बताया गया कि इस स्थान पर सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्थाएं भी कराई जा रही है। हाई फ्रीक्वेंसी कैमरे सुरक्षा की स्थिति को पुख्ता करेंगे। नगर पालिका से पहली बार पार्षद निर्वाचित अविनाश ने बताया कि सामाजिक सरोकारों को लेकर भी गंभीर कोशिश की जा रही है। अपने वार्ड में नया प्रवेश द्वार बनवाने के साथ उन्होंने वार्ड में हरियाली को लेकर भी कोशिश की। क्षेत्र में पशुओं की आवाजाही पर रोक के लिए कैटलप्रूफ दरवाजे लगाए गए हैं जिससे यहां की पुष्पवाटिका को लोगों के लिए आदर्श जगह बनाया जाना संभव होगा।

बलगी के खाली आवासों को दिया जाएगा कर्मियों को

कोरबा। कोरबा-पश्चिम एसईसीएल कुसमुंडा खदान के कोयला कर्मियों को सर्वे कराकर बलगी उपक्षेत्र के खाली आवासों को आवंटित किया जाएगा, लेकिन इससे पहले उचित माध्यम से प्रबंधन संबंधित कार्यालय को पत्र भेजेगी। अभी कुसमुंडा कॉलोनी के एमडी आवास में निवासरत 48 कर्मचारियों को आवास खाली होने पर प्राथमिकता के आधार पर आवंटित किए जाएंगे।

श्रम संघों की ओर से कोयला कर्मियों को आवासीय कॉलोनी का मकान नहीं मिलने का मुद्दा उठाया जाता रहा है। एसईसीएल कुसमुंडा एरिया की जेसीसी बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता के साथ यूनियन नेताओं ने उठाया। एसईसीएल के दूसरे एरिया से तबादले के बाद आने के साथ ही खदान विस्तार से अधिग्रहित जमीन के बदले रोजगार देने से कुसमुंडा खदान में कर्मियों की संख्या बढ़कर 3100 हो गई है। कई लोग आवास मिलने की उम्मीद में आवेदन भी किये हैं। इन कर्मचारियों को आवास की सुविधा दिलाने, बलगी उपक्षेत्र के खाली आवासों की जानकारी जुटाने, सर्वे कराने, उचित माध्यम से संबंधित एरिया पत्र भेजेगी। एसईसीएल कुसमुंडा एरिया की जेसीसी मीटिंग में श्रमिक नेताओं को जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार कर्मचारियों को आवास की सुविधा दिलाने 120 एमडी आवास, 129 डीएमक्यू आवास के स्थान पर नए आवास बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

महाप्रबंधक कार्यालय के गेट पर दिया धरना

कोरबा। एसईसीएल-कोरबा क्षेत्र की सराईपाली खदान में नई ठेका कंपनी द्वारा मिट्टी की परत हटाकर कोयला खनन का काम लेने पश्चात सभी कर्मियों की बहाली नहीं करने का आरोप लगा एचएमएस से संबद्ध कोयला मजदूर पंचायत के बैनर तले निकाले गए कर्मियों ने कोरबा क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य गेट के साम धरना प्रदर्शन किया । इसका समर्थन माइंस में नियोजित निजी कंपनी के ठेका कर्मियों ने भी दिया। आंदोलनकारियों ने खदान का काम प्रभावित होने का दावा किया है।

हलवाई रामराज पाल का निधन

कोरबा। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक, पावर हाउस रोड पानी टंकी मोहल्ला निवासी एवं प्रसिद्ध हलवाई रामराज पाल का आज शनिवार को आकस्मिक दु:खद निधन हो गया। लगभग 51 वर्षीय रामराज पाल की तबीयत काफी दिनों से खराब चल रही थी। शनिवार को स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे पत्नी, पुत्र व दो पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार रोता-बिलखता छोड़ गए हैं। मूलत: ग्राम इंदा का पूरा जिला इलाहाबाद उत्तरप्रदेश निवासी रामराज पाल ने वर्षों से कोरबा में निवासरत रहकर संघर्षों से जूझते हुए कैटरिंग के कार्य में अपना मुकाम हासिल किया। हलवाई रामराज पाल के निधन की खबर से शुभचिंतकों में शोक है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com